RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 22 ▪ अंक - 7 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 29-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 युवाओं के हर सपने को पूरा कर रही डबल इंजन सरकार : शर्मा

6 उत्तर प्रदेश में नए सियासी समीकरणों की आहट और कांग्रेस!

7 रेखा को मिलेगा आईएफएफएम में खास सम्मान

फर्स्ट टेक

फ्रांस में जंगल में आग : 4000 लोगों को पर्यटन स्थल से निकालने का आदेश

लेज-कैप-फेरेट (फ्रांस)/एपी। फ्रांस के अधिकारियों ने मंगलवार को खराब होते मौसम के कारण जंगल की आग और भड़कने का खतरा बढ़ने के बीच, देश के अटलांटिक तट पर स्थित लकानाउ क्षेत्र के आसपास के कैंप स्थलों, पर्यटकों के ठहरने की जगहों, 'हॉलिडे विलेज और मनोरंजन पार्कों' से लगभग 4,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का आदेश दिया। गिरोंद क्षेत्रीय प्रशासन ने बताया कि निकासी अभियान लाकानो ओसियन और लाकानो झील के दोनों किनारों पर लागू किया गया है। प्रशासन ने लोगों से अपने आवश्यक सामान साथ ले जाने, आपातकालीन निर्देशों का पालन करने तथा प्रशासन की अनुमति मिलने तक संबंधित क्षेत्रों में वापस नहीं लौटने की अपील की।

रिजर्व बैंक के पास 880 मीट्रिक टन सोना, धार्मिक स्थानों को लेकर कोई जानकारी नहीं : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को संसद में कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के पास 880.52 मीट्रिक टन स्वर्ण भंडार है लेकिन उसे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है कि देश के 'धार्मिक स्थानों' या परिवारों के पास कितना सोना है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 26 जून, 2026 की स्थिति के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक के पास 880.52 मीट्रिक टन स्वर्ण भंडार था। उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2025 को 879.58 मीट्रिक टन, 31 मार्च 2024 को 822.10 मीट्रिक टन स्वर्ण भंडार था। उनसे सवाल किया गया था कि भारतीय रिजर्व बैंक के पास वर्तमान में कितना स्वर्ण भण्डार है? इसके साथ ही यह सवाल भी किया गया था कि क्या यह पता लगाने के लिए कोई अध्ययन कराया गया है कि देश में ''धार्मिक स्थानों'' और भारतीय परिवारों में कितना सोना जमा है?

देव आनंद के बेटे सुनील आनंद का दिल का दौरा पड़ने से निधन

मुंबई/भाषा। दिग्गज अभिनेता देव आनंद और अभिनेत्री कल्पना कार्तिक के बेटे सुनील आनंद का लंदन में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वह 70 वर्ष के थे। अभिनेता एवं निर्देशक सुनील आनंद ने वर्ष 1984 में अपने पिता द्वारा निर्देशित फिल्म 'आनंद और आनंद' से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने 'कार थीफ', 'मैं तेरे लिए' और 'मास्टर' जैसी फिल्मों में काम किया, लेकिन उन्हें अपने पिता जैसी सफलता नहीं मिल सकी।

जल भराव

गुरुग्राम में मानसूनी बारिश के बाद बजघेड़ा अंडरपास के पास जलभराव वाली सड़क से गुजरते वाहन।

'अधिक बल प्रयोग' की वजह से पुलिस की छवि खराब नहीं की जा सकती : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को टिप्पणी की कि विरोध के अधिकार का अभिप्राय 'संप्रभुता' को नुकसान पहुंचाना नहीं है और नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ 20 जुलाई को आयोजित 'चलो संसद' मार्च के दौरान कथित तौर पर ''अत्याधिक बल प्रयोग'' के अधार पर किसी पुलिस अधिकारी की छवि को 'खराब' नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया ने यह टिप्पणी दिल्ली पुलिस के अपर पुलिस उपायुक्त संदीप लांबा से एक मामले की जांच वापस लेने का अनुरोध करने वाली याचिका खारिज करते हुए की। लांबा को कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के 'चलो संसद' मार्च के दौरान एक महिला को थप्पड़ मारते हुए देखा गया था, जिसके बाद उनके खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की गई थी।

अधिवक्ता एम. सुफियान सिद्दीकी ने दलील दी कि लांबा के व्यवहार (जैसा कि वीडियो क्लिप में देखा गया है) के कारण, 2025 में कथित तौर पर गैर-कानूनी रूप से हिरासत में लिए जाने की जांच की निष्पक्षता पर से याचिकाकर्ता का भरोसा पूरी तरह से डगमगा गया है। इसलिए, उक्त मामले की जांच किसी स्वतंत्र अधिकारी को सौंपी जानी चाहिए।

राष्ट्रपति को मिले 300 उपहारों की नीलामी पांच अगस्त से होगी शुरू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में दिए गए स्मृति चिन्ह समेत 300 उपहारों की ई-नीलामी पांच अगस्त को शुरू होगी। राष्ट्रपति भवन ने एक विज्ञप्ति में कहा कि राष्ट्रपति के रूप में मुर्मू का चार साल का कार्यकाल पूरा होने के अवसर पर मंगलवार को शुरू की गई यह पहल सार्वजनिक सेवा, समावेशिता और राष्ट्रीय जिम्मेदारी की साझा भावना को दर्शाती है। मुर्मू (68) ने 25 जुलाई 2022 को देश की 15वीं राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। वह देश की पहली आदिवासी राष्ट्रपति हैं। राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति पद पर चार साल पूरे होने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ई-उपहार के तीसरे संस्करण की शुरुआत की। इसमें सार्वजनिक नीलामी के लिए राष्ट्रपति को मिले 300 चुने हुए उपहार शामिल हैं। यह नीलामी पांच अगस्त से पांच सितंबर 2026 तक चलेगी। नीलामी से मिलने वाली पूरी राशि सामाजिक कार्यों में सहायता के लिए इस्तेमाल की जाएगी। नीलामी में शामिल वस्तुओं में से एक ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में दिया गया स्मृति चिन्ह भी है। महायोगी गुरु गोरखनाथ जी की पेंटिंग, त्रिपुरा स्थित श्री त्रिपुरेश्वरी देवी मंदिर की प्रतिकृति, राजस्थानी लघु चित्रकला और गौतम बुद्ध की फ्रेम वाली पेंटिंग भी नीलामी के लिए उपलब्ध होगी।

राजग संसदीय दल की बैठक में पहली बार शामिल हुए एनसीपीआई सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस छोड़कर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हुए सांसदों के एक समूह ने पहली बार, मंगलवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) संसदीय दल की बैठक में हिस्सा लिया। 'मंगल मिलन' में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और शीर्ष केंद्रीय मंत्री भी उपस्थित थे। तृणमूल कांग्रेस के 20 लोकसभा सदस्य हाल में अपनी पार्टी के खिलाफ बगावत करने के बाद एनसीपीआई में शामिल हुए थे। हालांकि, वे लोकसभा में तृणमूल सांसदों से अलग बैठ रहे हैं, लेकिन सदन के अध्यक्ष ओम बिरला ने एनसीपीआई को मान्यता देने पर अब तक कोई निर्णय नहीं लिया है।

एनसीपीआई में शामिल होने के बाद, सांसदों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राजग के प्रति अपनी निष्ठा जताई। इस समूह के एक प्रमुख नेता, सुदीप बंद्योपाध्याय ने हाल में प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी। राजग संसदीय दल की बैठक संसद भवन परिसर में हुई। एनसीपीआई की सांसद सायोनी घोष ने कहा, ''मैंने राजग की बैठक में भाग लिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में यह एक अत्यंत ज्ञानवर्धक बैठक थी। आज हमने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर चर्चा की। यह काफी सकारात्मक चर्चा रही।'' उन्होंने लोकसभा में आज चर्चा के लिए पेश किये जाने वाले लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक 2026' का संदर्भ देते हुए कहा कि प्रश्नपत्र लीक रोधी इस विधेयक का सभी को समर्थन करना चाहिए।

एक अन्य सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने बताया कि यह पहला मौका था जब एनसीपीआई के 20 सांसदों को राजग की 'मंगल मिलन' बैठक में आमंत्रित किया गया। उन्होंने कहा, ''हमें देश की प्रगति, मुक्त व्यापार समझौतों और किसानों के बारे में जानकारी दी गई... जो आंकड़े हमें प्राप्त हुए हैं, उनसे हम जनता को भी इन विषयों के बारे में बेहतर तरीके से समझा सकेंगे।''

बैठक में वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, जे.पी. नड्डा, नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, किरेन रीजीजू और राजग के सहयोगी दलों के सांसद शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर ने कहा कि बैठक दो विषयों पर केंद्रित थी, व्यापार और मत्स्य पालन।

प्रधानमंत्री की पोस्ट हटाने के बाद मेटा के अधिकारी तलब

सरकार ने कंपनी का स्पष्टीकरण 'खारिज' किया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने अमेरिका की सोशल मीडिया कंपनी मेटा के सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'पोस्ट' हटाने के बाद उसके लोक नीति प्रमुख (वैश्विक) को तलब किया है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मेटा ने सरकार से कहा कि उसके स्वचालित 'कंटेंट फिल्टर' में आई तकनीकी गड़बड़ी के कारण प्रधानमंत्री मोदी की 'फेसबुक पोस्ट' हट गई थी। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने पाया कि मेटा का यह स्पष्टीकरण उचित नहीं है तथा इस मामले में और गहन चर्चा की जरूरत है। मामले का अभी निपटारा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि स्वचालित प्रणाली में आई गड़बड़ी के कारण यह त्रुटि हुई है तो मेटा को अपने उपकरणों में सुधार करना चाहिए।

सूत्रों ने बताया कि इस मामले में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम की संचालक कंपनी) के लोक नीति प्रमुख (वैश्विक) को तलब किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 23 जुलाई को इंस्टाग्राम पर अपनी पहली (सेल्फी) वीडियो साझा की थी। उसे फेसबुक पर भी साझा किया गया था। इस वीडियो में उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई थी। हालांकि, बाद में फेसबुक पर इस 'पोस्ट' को हटा दिया गया जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कार्यकर्ता प्रीति गांधी ने मंच की कार्रवाई पर सवाल उठाए थे।

प्रधानमंत्री मोदी की वीडियो पर कथित रोक को लेकर मेटा की आलोचना करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर उन्होंने लिखा था कि इससे कंपनी की राजनीतिक निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठते हैं। प्रीति गांधी ने कहा, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री भारत के युवाओं से जुड़ने के लिए अपनी वीडियो जारी करते हैं... और फेसबुक उस पर रोक लगा देता है??? मेटा को यह अधिकार किसने दिया कि वह तय करे कि करोड़ों भारतीय क्या देखें और क्या नहीं देखें?' उन्होंने कहा, ''यह केवल सामग्री पर 'नियंत्रण' नहीं है।

एआई निर्मित पोस्ट के खिलाफ गडकरी की याचिका पर उच्च न्यायालय सुनवाई करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह एथनॉल नीति को लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ अपलोड किए गए ''अपमानजनक'' 'डीपफेक वीडियो' और कृत्रिम मेधा निर्मित पोस्ट के मामले में

'मेटा', 'एक्स कॉर्प', 'गूगल एलएलसी' और अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ दायर उनकी याचिका पर पांच अगस्त को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की पीठ ने केंद्रीय मंत्री के अधिवक्ता संदीप लड्डा को इस दीवानी याचिका की प्रतियां प्रतिवादियों को सौंपने का निर्देश दिया। याचिका में गडकरी की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले सोशल मीडिया पोस्ट के प्रसार पर स्थायी रोक लगाने का अनुरोध किया गया है। 'डीपफेक' वीडियो कृत्रिम मेधा (एआई) की मदद से इस प्रकार तैयार किया जाता है कि उसमें कोई व्यक्ति ऐसी बातें कहता या करता दिखाई देता है, जो उसने वास्तव में कभी नहीं कही। गडकरी ने अपनी याचिका में फर्जी और मनगढ़ंत सामग्री को तुरंत हटाने तथा ऐसी सामग्रियों के प्रसार पर रोक लगाने का अनुरोध किया है।

29-07-2026 सूर्यास्त 6:47 बजे	30-07-2026 सूर्योदय 6:06 बजे
BSE 76,765.92 (-69.86)	NSE 23,985.35 (-10.61)
सोना 14,848 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 226,737 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

समानता सूत्र

हम जाति पूछना बंद करें,
ना पूछे धर्म वर्ग आधार।
मिट जाएगा भेद स्वतः ही,
होंगे सम सबके व्यवहार।
आरक्षण उनको देवें,
जो हैं लाचार दीन बीमार।
जिनको इसका लाभ मिल गया,
छोड़ें परहित में अधिकार।।

आरएएफ ने 20 जुलाई के प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन से आठ गोलियां चलाई थीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर 20 जुलाई के चलो संसद' मार्च के दौरान जंतर-मंतर के पास भीड़ को नियंत्रित करने के लिए त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) ने दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी की अनुमति के तहत प्लास्टिक पैलेट गन समेत कई कम घातक हथियारों का इस्तेमाल किया था। अधिकारियों ने पुलिस कार्रवाई से जुड़े आधिकारिक रिकॉर्ड का हवाला देते हुए मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इस घटना की जानकारी संसद मार्ग थाने की सामान्य डायरी (जीडी) में 22 जुलाई को अपराह्न 1 बजकर 24 मिनट पर दर्ज की गई है। यह प्रविष्टि आरएएफ के एक उप कमांडेंट की सूचना पर की गई थी जिसमें कहा गया कि नीली वर्दी वाला यह बल दिल्ली पुलिस के एक पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) स्तर के अधिकारी के साथ जंतर-मंतर क्षेत्र के जोन-1 में तैनात था।

> दिल्ली पुलिस ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पैलेट गन के इस्तेमाल के दावे पूरी तरह झूठे और भ्रामक हैं। सीआरपीएफ और आरएएफ ने अब तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है।

थाने के अभिलेखों के हवाले से अधिकारियों ने बताया कि 20 जुलाई को डीसीपी के निर्देश पर आरएएफ ने 55 नॉन-इलेक्ट्रिकल शेल, 15 इलेक्ट्रिकल शेल, पांच आंसू गैस के गोले दागे थे। इसके अलावा कम घातक दंगा-रोधी बंदूक से दो और पैलेट गन से भी दो राउंड गोलियां चलाई गईं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि आरएएफ की अन्य टुकड़ियों ने अन्य विरोध स्थलों पर भी पैलेट गन का इस्तेमाल किया था या नहीं। दिल्ली पुलिस ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पैलेट गन के इस्तेमाल के दावे पूरी तरह झूठे और भ्रामक हैं। सीआरपीएफ और आरएएफ ने अब तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पैलेट गन के एक राउंड में प्लास्टिक के चार छर्रे होते हैं। ये धातु के उन छर्रों से अलग होते हैं, जो शरीर को भेद सकते हैं। अधिकारियों के अनुसार, प्लास्टिक के इन छर्रों से अपेक्षाकृत कम नुकसान होता है।

प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग, विशेषकर पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार को घेर रहा है और संसद में गृह मंत्री अमित शाह से बयान देने की मांग कर रहा है। नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा आहूत इस विरोध मार्च के दौरान दो-तीन प्रदर्शनकारियों के पैलेट लगने से गंभीर रूप से घायल होने की खबरें सामने आई थीं। धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया, जिसके बाद सीजेपी ने अपना लगभग एक महीने से जारी आंदोलन वापस ले लिया। इस प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस, आरएएफ और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कई जवान भी घायल हुए थे। सीआरपीएफ के महानिदेशक जी. पी. सिंह ने कहा है कि इन प्रदर्शनों के दौरान हुई कार्रवाई की समीक्षा की जा रही है।

जश्न

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान महिलाओं की शॉट पुट स्पर्धा के फाइनल में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की शर्मिला ढाका और कांस्य पदक जीतने वाली शिल्पा के. शायला अपनी जीत का जश्न मनाती हुईं।

दक्षिणी जापान में 7.1 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

तोक्यो/एपी। जापान के दक्षिणी मुख्य द्वीप क्यूशू के कुमामोतो क्षेत्र में मंगलवार को 7.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने बताया कि सुनामी की चेतावनी कुमामोतो के पश्चिमी तट पर स्थित निकटवर्ती अरियाके खाड़ी के लिए जारी की गई है। यह क्षेत्र टोक्यो से लगभग 900 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने एक संदेश में उन क्षेत्रों के लोगों से समुद्र तटों से दूर रहने की अपील की, जहां एक मीटर तक ऊंची सुनामी आने का अनुमान है। उनकी सरकार ने स्थिति की जानकारी जुटाने, संभावित नुकसान का आकलन करने और आवश्यकता पड़ने पर बचाव अभियान की तैयारी के लिए एक कार्यबल का गठन किया है।

पुण्य प्रवृत्तियों को बढ़ाना और पाप प्रवृतियों को कम करना ही वर्षावास का उद्देश्य : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। शहर के फीलखाना में कल्याणकारी वर्षावास समिति द्वारा आयोजित विमल-वर्षावास का मंगलवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। चातुर्मासिक चतुर्दशी के उपलक्ष्य में आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि पुण्य की प्रवृत्तियों को बढ़ाना और पाप प्रवृत्तियों को कम करना ही वर्षावास का तात्पर्य है। गृहस्थ की जिंदगी अनेक जिम्मेदारियों और भागदौड़ से भरी होती है। लाख कोशिशों के बाद भी कदम-कदम पर हिंसा, पापकृत्य और गलतियां हो ही जाती हैं। साधु-संतों का सान्निध्य गृहस्थ के लिए सत्कार्य की प्रेरणाओं और शुभ भावनाओं का आधार होता है।

वर्षाकाल में साधु-साध्वियों का चार माह का सुदीर्घ योग पाकर समाज में धर्म जागरण का शंखनाद होता है। शास्त्रों का स्वाध्याय, साधु-संतों का सामिप्य, प्रवचनों की ज्ञानगंगा, तप की साधना तथा विविध धर्म अनुष्ठानों के द्वारा घर-घर और जन-जन तक धर्म भावना का प्रांजल प्रवाह पहुंचता है। वह मनुष्य की सुषुप्त चेतना को जगाता है। संत समागम द्वारा कठोर से कठोर आत्माएं भी सरल बनने लग जाती हैं।

गणिवर्य पद्मविमलसागर महाराज ने नंदिसूत्र नामक आगमशास्त्र के आधार पर 29 दिवसीय महामंगलकारी शत्रुंजय तपाराधना के लिए साधकों को विधि-विधान संपन्न करवाए। मंडप में समवसरण की रचना कर चार तीर्थंकर प्रतिमाओं की स्थापना की गई तथा मंत्रोच्चार पूर्वक भगवान को अक्षत, फल, नैवेद्य और नारियल अर्पित किए गए। सभी साधकों ने दो दिन के उपवास की प्रतिज्ञा ली।

धर्म का आचरण हमें जीवन पर्यंत करना चाहिए : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में चातुर्मासार्थ हेतु ज्ञानमुनिजी व लोकेशमुनिजी विराजित हैं। चातुर्मास के पहले दिन ज्ञानमुनिजी ने कहा कि चातुर्मास के चार महीनें में हर रोज सामायिक-स्वाध्याय करना चाहिए।

हमने भारत में जन्म लिया है, हम जैन धर्म के अनुयायी हैं, ज्ञान, दर्शन और चरित्र की परिभाषा भगवान महावीर के शासन में गुरु ही बता सकते हैं। संतश्री ने चातुर्मास के महत्व के विषय में बहुत सरलता से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि साल के चार महीनों में जितना भी संभव हो सके उतनी धर्म-आराधना करनी चाहिए। बुढ़ापे में धर्म करने से अच्छा है कि आप जीवन भर धर्म ध्यान करें। प्रतिक्रमण सीखें, इसे सीखने के लिए कोई उम्र नहीं होती है।

लोकेशमुनिजी ने कहा कि चातुर्मास आडंबर रहित हो। गुरु बिना ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकते। सदा गुरु के प्रति श्रद्धा भाव रखें। गुरु से अपने जीवन में बहुत कुछ सीखने को मिलता है जो आपको आगे बढ़ने में सक्षम बनाता है। संघ के मंत्री अशोक बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए चातुर्मास कार्यक्रमों की जानकारी दी। संघ के युवा कार्यकर्ताओं और बहु मंडल के सदस्यों ने चातुर्मास कार्यों में सहयोग किया।

कांठा प्रांतीय अधिवेशन में समाज एकता व विकास पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नवगठित श्री कांठा प्रांत जैन संघ द्वारा संघ की दिशा एवं कार्यप्रणाली तथा समाजोत्थान की योजनाओं पर विचार करने के उद्धेश्य से कांठा समाज का अधिवेशन पैलेस ग्राउंड में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन के प्रायोजकों, संघ पदाधिकारियों, मार्गदर्शकों, कार्यकारिणी सदस्यों, जोन सदस्यों तथा समाज के गणमान्यों ने दीप प्रज्वलित कर अधिवेशन की शुरुआत की। संघ के चेयरमैन शांतिलाल सुराणा ने कहा कि संपूर्ण बेंगलूरु के कांठा प्रांत के सदस्यों के एक साथ इकट्ठा होने से कांठा प्रांत के समग्र विकास की नींव रखने का कार्य प्रारंभ होगा। संघ के अध्यक्ष श्रीपाल खिंवेसरा ने सभी का स्वागत करते हुए संघ के उद्धेश्यो को रखा और समाजोत्थान हेतु भावी योजनाओं की भूमिका रखी।योजनाओं में सभी सदस्यों से सहयोग देने का आह्वान किया।

संघ के कार्याध्यक्ष अशोककुमार गुगलिया ने अधिवेशन के अर्थ सहयोगियों को धन्यवाद दिया। संघ के महामंत्री हंसराज मुणोत ने संघ गठन के उद्धेश्य को बताते हुए कहा कि समाज के सदस्यों से सहयोग से व्यापारिक, शैक्षणिक एवं साधर्मिक सेवा की विभिन्न योजनाओं द्वारा जरूरतमंदों की सुदृढ़ता की ओर कदमों को मजबूती से बढ़ाया जाएगा। अधिवेशन संयोजक उत्तमचंद कोठारी ने आयोजन की सफलता में अर्थ सहयोग देने वाले सौजन्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। श्रीपाल खिंवेसरा ने संघ द्वारा नवमनोनीत युवा शाखा एवं महिला शाखा के पदाधिकारियों का परिचय कराया।

इस दौरान कांठा प्रांत बेंगलूरु के सदस्यों की पारिवारिक जानकारी, संघ द्वारा संपादित योजनाओं एवं युवा-महिला शाखा के कार्यों तथा अन्य प्रमुख जानकारियों युक्त कांठा प्रांत के एप्प बनाने की घोषणा की गई। अधिवेशन में संघ की व्यवस्थाओं, आगे की योजनाओं एवं सकारात्मक दृष्टिकोण हेतु कांठा प्रांत के उपस्थित सभी गणमान्यों से सुझाव मांगे गए। संघ के महामंत्री एवं आयोजन संयोजक सिद्धार्थ बोहरा ने सभी को धन्यवाद दिया।

भूमि दानदाता कातरेला परिवार ने आचार्यश्री के दर्शन कर लिया आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के लालबाग रोड क्रॉस स्थित गोडवाड़ भवन में 'गुरु कृपा चातुर्मास' में विराजित गच्छाधिपति आचार्य नित्यानंदसूरीश्वरजी ने स्वधर्मी बंधुओं के लिए प्रस्तावित आवास योजना के लिए उदारभाव से विशाल भूखंड ट्रस्ट को प्रदत्त करने वाले कातरेला परिवार की उदारता की अनुमोदना की। मिश्रीबाई-मिश्रीलाल कातरेला परिवार के भंवरलाल, पारसमल, शांतिलाल परिवार ने आचार्यश्री के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्यश्री ने कहा कि गुरु वल्लभसूरी का सपना था कि हर साधर्मिक का अपना घर हो।

इसी संदेश व मेरी भावना को आकार देने के लिए बगडी नगर के कातरेला परिवार ने गोडवाड़ भवन जैन ट्रस्ट व विशेष रूप से ट्रस्ट के चेयरमैन कुमारपाल सिसोदिया के अनुरोध पर पहल करते हुए 20 हजार वर्ग फीट का भूखंड देकर अनुपम सहयोग दिया है, कातरेला परिवार का यह दान एक अमर गाथा बना है। इस सुकृत हेतु प्रेरणा देने में धर्मीचंद बोहरा का प्रयास भी उल्लेखनीय रहा है।

अज्ञान से बड़ा और कोई जहर नहीं हो सकता : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के स्थानकवासी जैन संघ हल्लदकेरी के तत्वावधान में स्थानक भवन में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने मंगलवार को चातुर्मास स्थापना के मौके पर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि अज्ञान दशा में की गई उपासना-साधना जीवन को दिशाहीन बना देती है। कर्म से मुक्ति पाने की बजाय बंधन का कारण है अज्ञान दशा।

अज्ञान से बड़ा और कोई जहर नहीं हो सकता। अज्ञान के चलते प्राप्त किया हुआ वरदान भी अभिशाप के रूप में बदल जाता है। अज्ञानता के कारण साक्षात परमात्मा भी आकर खड़े हो जाएं तो उनका लाभ नहीं उठा सकते है। अज्ञान व्यक्ति के निगाह में हीरा और कंकर दोनों समान है, वह हीरे को छोड़ देगा कंकर को उठा लेगा। समय, शक्ति और संपत्ति सब का दुरुपयोग करके भी अपने आप को श्रेष्ठ मानने की कोशिश करेगा। अज्ञानता जीवन का सबसे बड़ा नादानपना है।

संतश्री ने कहा कि अज्ञानी इस अनंत काल तक संसार में आत्मा को भटकाता है, सही स्वरूप को समझ नहीं पता है। अज्ञान पारिवारिक, सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक किसी भी क्षेत्र में व्यक्ति सफलता प्राप्त नहीं करने देता है। अज्ञानी को कदम कदम पर संकट, विपत्ति, परेशानी का सामना करना पड़ता है। आत्मा का सबसे खतरनाक शत्रु महापुरुषों ने अज्ञान को बताया है।

'श्रीराम कथा' के आयोजन को लेकर बैठक का आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय दिव्य चेतना ट्रस्ट द्वारा आगामी 1 सितम्बर से पैलेस ग्राउंड पर कथा वाचक राजनजी महाराज के मुखारविंद से सात दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन होने वाला है, उसी की तैयारियों को लेकर रविवार को कथा स्थल पर एक तैयारी बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में शैलेश मिश्रा, रोहित उपाध्याय, गंगेश मिश्रा, मनोज पांडे, भोजपुरी समाज के अध्यक्ष संजय सिंह सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के अनेक सदस्य एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बैठक में प्रस्तावित श्रीराम कथा को भव्य एवं दिव्य स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न व्यवस्थाओं व विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। कथा के सफल आयोजन हेतु विभिन्न सेवा कार्यों के लिए सहभागिता संबंधी चर्चा हुई।

उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने सुझाव दिए और सहयोग करने का संकल्प लिया।

धर्म का प्राण तत्व अहिंसा है : आचार्यश्री नित्यानंदसूरी

गोड़वाड़ भवन में प्रारंभ हुआ 'गुरु कृपा चातुर्मास'

बेंगलूरु। शहर के गोडवाड़ भवन में 'गुरु कृपा चातुर्मास' के प्रारंभ अवसर पर मंगलवार को उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए गच्छाधिपति आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी ने कहा कि वर्षावास में चारों तरफ भूमि जीवाकुल हो जाती है । जगह जगह हरी घास और पौधे उग जाते हैं, ऐसे में अनेक जीवों की विराधना से बचने के लिए चार महीने तक साधु साध्वी एक स्थान पर स्थिरवास स्वीकार कर लेते हैं। धर्म का प्राण तत्व अहिंसा है। संसार में सभी जीव जीना चाहते हैं, मरना कोई नहीं चाहता। जिसके हृदय में जीवमात्र के प्रति दया और करुणा की धारा बहती है वह किसी भी जीव को न दु:खी देख सकता है और न ही दु:ख दे सकता है। आचार्य श्री ने कहा कि एक स्थान पर अत्याधिक समय की स्थिरता होने से समाज को भी दान, सेवा, तप आदि द्वारा आत्म कल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। संतों के समागम से समाज में सद्गुणों को सुवास प्रसारित होती है। चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन जिनवाणी श्रवण करने के लिए सभी को तत्पर रहना चाहिए। जिनवाणी से ही विवेक जागृत होता है और विवेक ही एक दिन मोक्ष का कारण बनता है ।

मुनिश्री मोक्षानंदविजयजी ने कहा कि आचार्यश्री के सान्निध्य में चातुर्मास की आराधना करने हेतु करीब सवा सौ आराधक यहां पधार चुके हैं । इस चातुर्मास काल में सभी को आराधना का अमृत चखना है। अनादिकालीन पापों और दोषों से अब मुक्त होने का प्रयास करना है। जीवन में शांति, समता, सहनशीलता और क्षमा को अपनाना है । प्रवचन के पश्चात गोड़वाड़ वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति के अध्यक्ष भंवर लाल रांका ने सभी आराधकों और आगंतुकों का स्वागत किया तथा प्रतिदिन कार्यक्रमों की जानकारी दी।

आरआर नगर भवन में विभिन्न मंत्रों द्वारा हुई चातुर्मास की स्थापना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आरआर नगर स्थित तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री आकाश कुमार जी ने मंगलवार को आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी पर अपने सहवर्ती मुनिश्री हितेन्द्रकुमारजी के साथ विभिन्न मंत्रों के जप से चातुर्मास की शुरुआत की। मुनिश्री ने कहा कि चातुर्मास काल साधना का विशेष समय होता है। यह जप-तप-स्वाध्याय की त्रिवेणी में आध्यात्मिक स्नान कर अपनी आत्मा को निर्मल बनाने का शुभ अवसर है। सभी अधिक से अधिक तपस्या आदि करने का भाव रखें।

तपस्या न भी हो तो, सामायिक, मौन, रात्रि भोजन त्याग, सचित्त व जमीकंद का त्याग तो करना ही चाहिए। इन छोटे-छोटे नियमों का पालन करके भी निर्जरा का लाभ उठाया जा सकता है। नियमित रूप से सूत्र(आगम आधारित) का व्याख्यान सुनने से भी बँधे हुए कर्म कटते हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि हमने भरतक्षेत्र की कर्मभूमि में मनुष्य रूप में जन्म लिया है। इसे सार्थक बनाने का एकमात्र मार्ग सत्य, अहिंसा एवं सम्यक्तव है। मुनिश्री हितेन्द्र कुमार जी ने आओ आओ भिक्षु स्वामी गीतिका का संगान किया। मुनिद्वय द्वारा तेरापंथ के संविधान 'मर्यादा पत्र' एवं हाजरी का वाचन किया गया।

'शी स्ट्राइक' टीम बनी चैंपियन, 'स्ले स्क्वाड' व 'मुथा रॉयल्स' बनीं उपविजेता

जीते नॉर्थ लेडीज़ विंग ने आयोजित की महिला बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) नॉर्थ लेडीज़ विंग द्वारा चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना के नेतृत्व में महिलाओं के लिए शी-लीग बॉक्स क्रिकेट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 8 टीमें, प्रेसिडेंट ग्रुप जाइंट्स, ओसवाल चैलेंजर्स, शी स्ट्राइक, स्ले स्क्वाड, मुथा रॉयल्स, थाना स्पार्टन्स, परी सुपर स्ट्राइकर्स एवं पितलिया पैंथर्स-ने पूरे जोश एवं खेल भावना के साथ भाग लिया। दिनभर चले रोमांचक मुकाबलों के बाद कविता ललवानी की टीम शी स्ट्राइक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। अलका लोढ़ा की टीम स्ले स्क्वाड प्रथम उपविजेता तथा संगीता मुथा की टीम मुथा रॉयल्स द्वितीय उपविजेता रही।

कार्यक्रम की संयोजिका तनुजा मेहता की टीम ने व्यवस्था सँभाली। लेडीज़ विंग की मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने संचालन करते हुए सभी अतिथियों, प्रायोजकों व सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर महिला विंग की अनेक पूर्व, वरिष्ठ व वर्तमान सदस्याएं उपस्थित थीं।

प्रतियोगिता दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर के निर्देशन में तेरापंथ किशोर मंडल द्वारा मुनिश्री विनीतकुमारजी व आकाशकुमारजी के सान्निध्य में भिक्षु स्वामी पर आधारित आध्यात्मिक रणभूमि दि भिक्षु चैलेंज' प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें सम्यक ज्ञान, प्रज्ञा सारथी, वैराग्य वीर, संयम शक्ति, भिक्षु वॉरियर्स, संयम चरित्र नामक 6 प्रतिभागी टीमों को तीन अलग अलग राउंड के द्वारा प्रश्न पूछे गये जिसमें भिक्षु स्वामी पर आधारित प्रश्न पूछे गए और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जन्मोत्सव :

आचार्यश्री भिक्षु के त्रिशताब्दी जन्मोत्सव के अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद टी. दासरहल्ली के तत्वावधान में तेरापंथ भवन में धम्मजागरण का आयोजन किया गया, जिसमें कन्हैयालाल गांधी एवं प्रवीण बोहरा ने भिक्षु भजनों का संगान कर वातावरण को भिक्षु भक्तिमय बनाकर महामना भिक्षु को भावांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर तेयुप, तेरापंथ सभा व महिला मंडल के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

धम्मजागरण : दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आचार्य भिक्षु के 301वें जन्मोत्सव एवं 269वें बोधि दिवस के अवसर पर तेरापंथ सभा होसकोटे एवं महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को धोका निवास पर धम्म जागरण का आयोजन किया गया। संघ के गायकों ने आचार्य भिक्षु को समर्पित भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में सभा के अध्यक्ष इंदरचंद धोका ने सभी का स्वागत किया। उपाध्यक्ष धर्मचंद धोका ने सभी को धन्यवाद दिया।

एक शाम भिक्षु के नाम दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के तेरापंथी सभा ट्रस्ट व तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के संयुक्त तत्वावधान में आचार्यश्री भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी समापन के भिक्षु धम्म जागरण एक शाम भिक्षु के नाम' का आयोजन तेरापंथ भवन में किया गया। तेयुप के अध्यक्ष राजेश देरासरिया ने सभी का स्वागत किया। स्थानीय गायकों व बच्चों ने गीतों के माध्यम से आचार्यश्री भिक्षु के प्रति श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। मंत्री जयंतीलाल गांधी ने संचालन करते हुए धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पशु चिकित्सक भर्ती में 400 करोड़ रुपये के घोटाले का भाजपा का आरोप, सीबीआई जांच की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने मंगलवार को पशु चिकित्सकों की भर्ती में 400 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाते हुए सवाल किया कि मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार को इसमें कितना हिस्सा मिला है। विजयेंद्र ने पशु चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती में कथित बड़े घोटाले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की भी मांग की। बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में मंगलवार को कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) के अभ्यर्थियों के प्रदर्शन में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत में विजयेंद्र ने कहा कि भ्रष्टाचार, भ्रष्टाचार होता है, चाहे भर्ती प्रक्रिया किसी भी सरकार के कार्यकाल में हुई हो। इस प्रदर्शन में राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता सी. नारायणस्वामी समेत कई भाजपा नेता भी शामिल हुए। विजयेंद्र ने राज्य सरकार पर मामले को सीबीआई को सौंपने में अनिच्छा दिखाने का आरोप लगाते हुए सवाल किया, पशु चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती में कथित 400 करोड़ रुपये के घोटाले में से मुख्यमंत्री और राज्य सरकार को कितना हिस्सा मिला? कांग्रेस सरकार बच्चों के भविष्य के साथ क्यों खिलवाड़ कर रही है? उन्होंने भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए केपीएससी में सुधार की मांग की और इस मुद्दे पर विधानसभा में एक विस्तृत चर्चा कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राज्यभर से युवा कथित केपीएससी घोटाले के विरोध में एकत्रित हुए हैं।

विजयेंद्र ने कहा, ''यह 400 करोड़ रुपये का घोटाला है। इतने बड़े घोटाले की जांच किसी आंतरिक समिति को कैसे सौंपी जा सकती है? जब रक्षक ही भक्षक बन जाए तो आंतरिक जांच से न्याय की उम्मीद नहीं की जा सकती।'' उन्होंने राज्य में अपनाई जा रही परीक्षा प्रणाली पर सवाल उठाते हुए सवाल किया कि कर्नाटक सरकार ऐसी भर्ती प्रक्रिया क्यों लागू कर रही है, जिसे देश में कहीं और नहीं अपनाया जाता। उन्होंने आरोप लगाया कि यह व्यवस्था भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने और अवैध लाभ कमाने के उद्देश्य से बनाई गई है। इस बीच, कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने मंगलवार को कहा कि 400 पशु चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती में कथित अनियमितताओं से जुड़े मामले अपराध जांच विभाग (सीआईडी) को सौंप दिए गए हैं। केपीएससी उस समय विवादों में घिर गया, जब राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 13 जुलाई को केपीएससी अध्यक्ष शिवशंकरप्पा एस. साहूकर को निलंबित कर दिया था, जिनपर आरोप है कि उन्होंने अपनी दो बेटियों के औद्योगिक विस्तार अधिकारी के पद पर अवैध चयन में मदद की थी।

युवा जानता है कि मोदी सरकार हमेशा के लिए शिक्षा व्यवस्था में सुधार करने जा रही है : तेजस्वी सूर्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। परीक्षाओं में गड़बड़ी को केवल एक लक्षण करार देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद तेजस्वी सूर्या ने मंगलवार को कहा कि यह सरकार नीट प्रश्नपत्र लीक जैसे संकट को शिक्षा व्यवस्था में आमूल चूल सुधार के अवसर के रूप में इस्तेमाल कर रही है। लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा में भाग लेते हुए सूर्या ने यह भी कहा कि देश का युवा जानता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार हमेशा के लिए शिक्षा व्यवस्था में सुधार करने जा रही है। उन्होंने नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ पिछले दिनों दिल्ली में जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा, ''मैं युवाओं से सीधे-सीधे यह बात कहना चाहता हूं कि उन्होंने सरकार से सवाल पूछकर और जवाबदेही की बात करके सही किया है।''

उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने नीट प्रश्नपत्र लीक को पाप कहा था और सरकार ने अल्पकालिक और दीर्घकालिक सुधार के प्रयास शुरू कर दिए। नीट पेपर लीक की गड़बड़ी से कोई इनकार नहीं कर रहा। इसकी जिम्मेदारी से कोई नहीं बच रहा। हम इस संकट को शिक्षा व्यवस्था में आमूल चूल सुधार के लिए अवसर के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि सरकार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में सुधार ला रही है ताकि अगली बार नीट परीक्षा में कोई दिक्कत नहीं आए। सूर्या ने सदन में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के भाषण का जिक्र करते हुए कहा कि ''मैं पूछना चाहता हूं कि 2010 में संप्रग सरकार ऐसा ही विधेयक लाई थी और अगर आपको बच्चों के भविष्य की इतनी ही चिंता थी तो उसे पारित क्यों नहीं कराया।'

' उन्होंने कहा कि परीक्षाओं में गड़बड़ी केवल एक लक्षण है, असल दिक्कत शिक्षा व्यवस्था में है, उसे सुधारना है। भाजपा सांसद ने यह भी कहा कि देश में इतने सालों तक रही पुरानी शिक्षा व्यवस्था कांग्रेस की दी हुई विरासत है और मोदी सरकार में 2020 में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) से शिक्षा प्रणाली को आमूल-चूल तरीके से बदला जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पुरानी शिक्षा व्यवस्था के तहत केवल तीन घंटे की परीक्षा से छात्रों की तीन साल की पढ़ाई का निष्कर्ष निकाला जाता है, लेकिन एनईपी में परीक्षा की प्रकृति में बुनियादी बदलाव की बात है और अगले कुछ साल में पूरी व्यवस्था बदल जाएगी। सूर्या ने कहा, ''आने वाले दिनों में एनईपी पूरी तरह लागू होने के बाद बच्चे परीक्षा का दबाव महसूस नहीं करेंगे।''

उन्होंने पिछले दिनों प्रधानमंत्री आवास के बाहर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के धरना प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान कोई मंच नहीं मिला तो वह प्रधानमंत्री के आवास के बाहर बैठ गए, लेकिन कुछ साल पहले राजस्थान में कांग्रेस की सरकार के समय जब प्रश्नपत्र लीक के मामले सामने आए तब राहुल गांधी कहां थे?

सूर्या ने कहा कि वह 'जेन जेड' की भाषा में कहना चाहते हैं कि विपक्ष को लगता है कि आज का युवा उनके साथ है, लेकिन इससे बड़ा 'डेलुलू' दूसरा नहीं है। उन्होंने कहा, युवा जानते हैं कि अगर कोई उनके पक्ष में काम कर रहा है तो प्रधानमंत्री मोदी और मोदी सरकार हैं। 'डेलुलू' एक इंटरनेट स्लैंग (बोलचाल का शब्द) है, जो अंग्रेजी के शब्द 'डेल्यूजन' (भ्रम) से बना है।

दिल्ली में सांसदों के साथ बैठक 'बड़ी सफलता' : शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में राज्य से निर्वाचित सांसदों के साथ अपनी बैठक को 'बड़ी सफलता' करार दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोमवार को हुई बैठक ने यह साबित कर दिया कि एकता में ही ताकत है। उन्होंने रेखांकित किया कि कर्नाटक के विकास के लिए अलग-अलग दलों के नेताओं को मिलकर काम करने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने बताया कि इस बैठक को सभी राजनीतिक दलों के सांसदों से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली और विपक्ष के नेताओं ने भी इसके उद्देश्य और मुख्यमंत्री के समावेशी दृष्टिकोण की सराहना की। सीएमओ के मुताबिक केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, शोभा करंदलाजे और वी. सोमन्ना, राज्य की मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता बसवराज बोम्मई और जगदीश शेट्टार, और राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति ने कहा कि उन्होंने पहले कभी इतनी बड़ी संख्या में सांसदों को ऐसी बैठक में शामिल होते नहीं देखा'' और इसे अपनी तरह की ''पहली घटना'' बताया। बयान के मुताबिक उन्होंने बैठक बुलाने के लिए शिवकुमार की तारीफ की और इस प्रयास को 'प्रशंसनीय' करार दिया। सीएमओ ने कहा, ''इस बैठक से एक स्पष्ट संदेश गया कि एकता में ही ताकत है।'' बयान के मुताबिक, नेताओं ने मुख्यमंत्री की उस अपील का समर्थन किया जिसमें कहा गया था कि पार्टी की सीमाओं से ऊपर उठकर कर्नाटक के विकास के लिए मिलकर काम करें।य्स्र बैठक में केंद्रीय मंत्री जोशी, सोमन्ना और करंदलाजे के साथ लोकसभा सदस्य बोम्मई, शेट्टार, यदुवीर वाडियार, बी वाई राघवेंद्र, विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी और कोटा श्रीनिवास पुजारी शामिल हुए।

धरना

कर्नाटक लोक सेवा आयोग परीक्षा घोटाले के विरोध में मंगलवार को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में ऑल कर्नाटक स्टेट स्टूडेंट्स एसोसिएशन के सदस्यों, कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलावडी नारायणस्वामी और अन्य नेताओं ने धरना दिया।

पत्नी की हत्या के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागलकोट। कर्नाटक के बागलकोट जिले में विवाहेतर संबंध के शक में अपनी पत्नी की हत्या करने के आरोप में 29 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जब उसकी पत्नी फंदे से लटकी थी, तब उसने कथित तौर पर इस घटना का वीडियो भी बनाया। पुलिस के अनुसार, बिलगी तालुक के गलगली गांव में दंपति के घर से सोमवार शाम भाग्यश्री जिगलुर का शव बरामद किया गया। इसने बताया कि मृतका के पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने उसके पति प्रवीण अशोक जिगलुर के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि उसे हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने कथित तौर पर अपनी पत्नी का उस समय वीडियो बनाया जब वह फंदे से लटकी हुई थी। वीडियो में महिला के संघर्ष करते हुए दिखने की बात सामने आई है। इसने बताया कि आरोप है कि बाद में आरोपी ने यह वीडियो मृतका के परिवार समेत कई लोगों को भेज दिया।

हालांकि, पुलिस अभी यह पता लगाने में जुटी है कि महिला के साथ मारपीट करने के बाद उसे फंदे पर लटकाया गया या मारपीट के बाद उसने आत्महत्या की। जांच के दौरान उसके शरीर पर चोट के निशान मिले हैं।

कैब का इंतजार कर रही महिला के यौन उत्पीड़न के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में सड़क पर कैब का इंतजार कर रही एक महिला का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान राममूर्ति नगर के 'एनआरआई लेआउट' निवासी फल विक्रेता विजय राघव (42) के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आरोपी का दोपहिया वाहन भी जब्त कर लिया गया है।

पुलिस के मुताबिक, घटना का खुलासा तब हुआ जब पीड़ित महिला ने 27 जुलाई को 'इंस्टाग्राम' पर आपबीती साझा की। महिला ने आरोप लगाया कि स्कूटर सवार एक व्यक्ति उसके पास आकर अभद्र टिप्पणियां करने लगा और धन के बदले यौन संबंध बनाने की बात कहने लगा। पुलिस ने बताया कि महिला राममूर्ति नगर में कैब का इंतजार कर रही थी, तभी आरोपी ने उस पर अश्लील टिप्पणियां करनी शुरू कर दीं।

महिला ने निडर होकर उसका मुकाबला किया और अपने मोबाइल फोन से उसकी हरकतों को रिकॉर्ड करना शुरू कर दिया। जब महिला ने पुलिस को फोन करने की चेतावनी दी, तब आरोपी वहां से भाग निकला। महिला ने बाद में आरोपी की पहचान में मदद के लिए उसका वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दिया।

महिला ने अपनी पोस्ट में लिखा, ''एक महिला होने के नाते मुझे यह अधिकार है कि मैं बिना किसी डर के अपनी कैब का इंतजार कर सकूं। मुझे किसी वस्तु की तरह न समझा जाए या पैसों के लिए कोई प्रस्ताव न दिया जाए।'' उसकी बातें डराने वाली और अपमानजनक थीं, जिससे मुझे अपनी सुरक्षा की चिंता होने लगी। शिकायतकर्ता ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह के व्यवहार को सामान्य मानकर अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। उसने पुलिस से आरोपी की पहचान कर उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया।

इसके साथ ही उसने आम लोगों से भी इस तरह के उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की।

वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने और शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी को ढूंढ़ निकाला। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''हमने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।''

मेकेदातु पर जल शक्ति मंत्री का संसद में दिया गया जवाब वापस लिया जाए : विजय का मोदी से आग्रह

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहा कि प्रस्तावित मेकेदातु बांध परियोजना के संबंध में राज्यसभा में केंद्र सरकार की ओर से दिया गया यह जवाब ''निराशाजनक'' है कि उच्चतम न्यायालय के फैसले में कर्नाटक के लिए तटवर्ती राज्यों की सहमति लेना अनिवार्य नहीं बताया गया है। मुख्यमंत्री विजय ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में आग्रह किया कि जल शक्ति राज्य मंत्री द्वारा 27 जुलाई, 2026 को राज्यसभा में उत्तर में अंतरराज्यीय जल विवादों से जुड़े स्थापित कानूनों और कानूनी सिद्धांतों का उल्लेख किए बिना दिया गया जवाब वापस लिया जाए। उन्होंने कहा कि कर्नाटक-आंध्र प्रदेश आलमट्टी मामले में उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा है कि किसी भी परियोजना के लिए निचले तटवर्ती राज्य की सहमति पूरी तरह आवश्यक है।विजय ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि मेकेदातु बांध परियोजना को तब तक कोई वैधानिक या प्रशासनिक मंजूरी नहीं दी जाए, जब तक वह कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण (सीडब्ल्यूडीटी) के फैसले और उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुरूप ना हो। मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि मंत्री ने संसद के ऊपरी सदन में कहा कि कावेरी जल विवाद के संबंध में उच्चतम न्यायालय के दिनांक 16.02.2018 के निर्णय के अनुसार, कर्नाटक राज्य को कावेरी नदी पर किसी भी प्रकार की संरचना के निर्माण के लिए अन्य तटीय राज्यों की सहमति प्राप्त करने का कोई उल्लेख नहीं है।

पशु चिकित्सक भर्ती परीक्षा में अनियमितता से जुड़े मामले की जांच सीआईडी को सौंपी गई

बेंगलूरु। कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) द्वारा पशु चिकित्सा अधिकारियों के 400 पदों को भरने के लिए आयोजित परीक्षा में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में दर्ज मामलों की जांच अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) को सौंपी गयी है। राज्य के गृहमंत्री प्रियंक खरगे ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने भरोसा दिया कि मामले की गहन जांच की जाएगी और जो लोग दोषी पाए जाएंगे, उन्हें कानून के अनुसार सजा दी जाएगी। प्रियंक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''निष्पक्ष, निष्पक्ष और व्यापक जांच सुनिश्चित करने के लिए, बेंगलूरु शहर के विधान सौध पुलिस थाना में केपीएससी के खिलाफ कर्नाटक लोक परीक्षा (भर्ती में भ्रष्टाचार और अनुचित साधनों की रोकथाम के उपाय) अधिनियम, 2023 की धारा 10 के तहत दर्ज दो मामलों की जांच सीआईडी को सौंप दी गई है।''

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: BE-TLAC-RMPU-CMC-2026-28

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बेंगलुरु (एसबीसी), हुबली (यूबीएल) और मैसूरु (एमवायएस) मंडल में एसी कोच (पारंपरिक और एचएचबी प्रकार) के रूफ माउंटेड पैकेज यूनिट (आरएमपीयू) और उनके कंट्रोल पैनल का केंद्रीकृत समग्र रखरखाव अनुबंध; साथ ही दक्षिण पश्चिम रेलवे के तहत हुबली कैरिज मरम्मत शॉप (यूबीएलएस) और मैसूरु कैरिज मरम्मत शॉप (एमवायएसएस) में 24 एसी कोच का पीओएच / एसएस-2 / एसएस-3; और काम दो (2) साल के लिए बेंगलुरु (एसबीसी) मंडल की मुख्य ट्रेनों और बेंगलुरु (एसबीसी) मंडल की विशेष ट्रेनों के एसी कोच के साथ मार्गरक्षण का कार्य।	रु. 45,31,28,994.53

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 12.08.2026, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ बेंगलूरु

PUB/324/AAMG/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

भारत संचार निगम लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMITED (A Govt. of India Enterprise)

संख्या : BSNLCO-11/12(11)/3/2026-RECTT-CO-Part(1)

भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) कार्यकारी निदेशक (नेटवर्क योजना और खरीद) और कार्यकारी निदेशक (नए व्यवसाय) के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

इच्छुक अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि विस्तृत जानकारी एवं नवीनतम अद्यतनों के लिए बीएसएनएल की वेबसाइट www.bsnl.co.in का नियमित रूप से अवलोकन करें।

बीएसएनएल निगम कार्यालय, नई दिल्ली

CBC 06204/12/0007/2627

भारत संचार निगम लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMITED (A Govt. of India Enterprise)

संख्या : BSNLCO-11/12(12)/1/2026-RECTT-CO

भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) द्वारा बीएसएनएल कॉर्पोरेट कार्यालय, नई दिल्ली में **अधिवक्ताओं/विधि फर्मों के पैनलीकरण** हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

इच्छुक अधिवक्ता/विधि फर्में विस्तृत जानकारी एवं अद्यतन सूचनाओं के लिए बीएसएनएल की वेबसाइट www.bsnl.co.in का अवलोकन करें।

बीएसएनएल निगम कार्यालय, नई दिल्ली

CBC 06204/12/0006/2627

भारत संचार निगम लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMITED (A Govt. of India Enterprise)

संख्या :BSNLCO-11/12(11)/4/2026-RECTT-CO

भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) सीधी भर्ती योजना के तहत कंपनी सेक्रेटरी के पद के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करता है।

इच्छुक अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे विस्तृत सूचना और आगे के अपडेट के लिए www.bsnl.co.in पर नियमित रूप से जाएं।

बीएसएनएल निगम कार्यालय, नई दिल्ली

CBC 06204/12/0009/2627

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. 16 UBL 2026-27, दिनांक: 21.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार ई-नीलामी / ई-निविदा हेतु निविदादाताओं को आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	विवरण संक्षेप में	अनुमानित लागत
1	**हुबली विभाग:** सहायक मंडलीय इंजीनियर / बेलगावी (बीजीएम) उप मंडल के अंतर्गत एक वर्ष की अवधि के लिए यार्डों पर ट्रैक का रखरखाव कार्य।	रु. 3,77,34,243.00
2	**हुबली विभाग:** सहायक मंडलीय इंजीनियर / बेलगावी (बीजीएम) उप मंडल के अंतर्गत एक वर्ष की अवधि के लिए मिड सेक्शन पर ट्रैक का रखरखाव कार्य।	3,73,56,293.00
3	**हुबली विभाग:** सहायक मंडलीय इंजीनियर / बेलगावी (बीजीएम) क्षेत्राधिकार पर एलसी नं. 399, 415 और 420 पर एलसी गेट लॉड्जस का प्रस्तावित निर्माण कार्य और बोरवेल का व्यवस्था, एप्रोच रोड का मरम्मत, पेंटिंग, रूफ शीटिंग, शौचालय सुविधाएं आदी., का प्रावधान से एलसी गेटों का सुधारण कार्य।	रु. 1,48,91,115.00
4	**हुबली विभाग:** सहायक मंडलीय इंजीनियर / बेलगावी (बीजीएम) क्षेत्राधिकार के अंतर्गत एक वर्ष की अवधि के लिए ट्रैक कार्यों के लिए लूब्रिकेशन।	रु. 88,07,633.00
5	**हुबली विभाग: उप कार्य-1: लोंडा - वास्को-ड-गामा (एलडी-वीएसजी) खंड:** लोंडा - तिनाईघाट (एलडी-टीजीटी) स्टेशनों के बीच किमी. 10/200-300 पर एलसी नं. 06 के बदले क्रमानुसार बॉक्स पुशिंग विधि अनुसार आरयूबी ना निर्माण कार्य। **उप कार्य-2: लोंडा - वास्को-ड-गामा (एलडी-वीएसजी) खंड:** लोंडा - तिनाईघाट (एलडी-टीजीटी) स्टेशनों के बीच किमी. 12/0-100 पर एलसी नं. 07 के बदले क्रमानुसार बॉक्स पुशिंग विधि अनुसार आरयूबी ना निर्माण कार्य। (दो पैकेट व्यवस्था)	रु. 11,43,66,812.00
6	**हुबली विभाग:** वरिष्ठ मंडलीय इंजीनियर / पचिम / हुबली (यूबीएल) क्षेत्राधिकार में एटी वेल्ड का आपूर्ती।	रु. 93,56,398.00
7	**हुबली विभाग:** वास्को-ड-गामा पर समुदाय भवन में रूफिंग, दरवाज़े और खिड़कियाँ, फ्लोरिंग, शौचालय आदी., का सुधारण कार्य।	रु. 33,25,070.00

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 18.08.2026, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / समन्वय / हुबली

PUB/325/AAMG/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

सीएसआईआर-नवाचार संरक्षण इकाई (CSIR-IPU)
तृतीय तल, विज्ञान सूचना भवन (CSIR-NIScPR भवन)
14, सत्संग विहार मार्ग, नई दिल्ली - 110067

वॉक-इन-इंटरव्यू

विज्ञापन संख्या : IPU/02/2026 दिनांक: 22.07.2026

सीएसआईआर-नवाचार संरक्षण इकाई (CSIR-IPU), नई दिल्ली, जो कि सीएसआईआर मुख्यालय की एक इकाई है तथा बौद्धिक संपदा प्रबंधन (Intellectual Property Management) से संबंधित कार्यों में संलग्न है, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी मैनेजमेंट परियोजना के अंतर्गत पूर्णतः अस्थायी आधार पर प्रोजेक्ट स्टाफ की नियुक्ति हेतु पात्र एवं इच्छुक भारतीय नागरिकों से वॉक-इन-इंटरव्यू में सम्मिलित होने हेतु आवेदन आमंत्रित करता है।

वॉक-इन-इंटरव्यू सीएसआईआर-नवाचार संरक्षण इकाई (IPU), तृतीय तल, विज्ञान सूचना भवन (CSIR-NIScPR भवन), 14, सत्संग विहार मार्ग, नई दिल्ली - 110067 में निम्नानुसार आयोजित किया जाएगा :

पोस्ट कोड	वॉक-इन-इंटरव्यू की तिथि एवं समय
पोस्ट कोड-1 परियोजना वैज्ञानिक (पीएस-1): मैकेनिकल इंजीनियरिंग : पदों की संख्या :1 पोस्ट कोड-2 परियोजना सहयोगी-सीनियर पीएटी : सिविल इंजीनियरिंग : पदों की संख्या :1	13.08.2026 प्रातः 9:30 से 10:30 बजे तक
पोस्ट कोड-3 परियोजना सहयोगी-सीनियर पीएटी: इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग : पदों की संख्या :1 पोस्ट कोड-4 परियोजना सहयोगी-सीनियर पीएटी : भौतिकी : पदों की संख्या :1 पोस्ट कोड-6 परियोजना वैज्ञानिक (पीएस-1): रसायन विज्ञान : पदों की संख्या :1	14.08.2026 प्रातः 9:30 से 10:30 बजे तक

निर्धारित शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव रखने वाले अभ्यर्थी विधिवत भरे हुए आवेदन-पत्र तथा आवश्यक प्रमाण-पत्रों/दस्तावेजों के साथ साक्षात्कार में सम्मिलित हो सकते हैं।

विस्तृत विज्ञापन सीएसआईआर की आधिकारिक वेबसाइट www.csir.res.in पर उपलब्ध है।

उप सचिव (IPU)

CBC 36202/11/0013/2627

युवाओं के हर सपने को पूरा कर रही डबल इंजन सरकार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा से लेकर खेल, रोजगार से लेकर स्वरोजगार तक युवाओं के हर सपने को पूरा करने में उनके साथ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार पेपरलीक पर प्रभावी रोक, रिकॉर्ड सरकारी भर्तियों, स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन तथा कौशल विकास के माध्यम से युवाओं का उज्ज्वल भविष्य बनाने में सहयोगी बन रही है।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित 'सपनों की उड़ान' कार्यक्रम में युवाओं से संवाद किया। उन्होंने कहा कि विचारशील, अनुशासित एवं संस्कारवान युवा विकसित भारत-विकसित राजस्थान के आधार हैं। युवा नए विचार और नई ऊर्जा से भरपूर होते हैं। हमारी सरकार युवाओं से संवाद कर बजट में उनके बहुमूल्य सुझावों को शामिल करती है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं, कार्यक्रमों एवं नीतियों को और बेहतर बनाने के लिए युवाओं के साथ इस तरह के संवाद बेहद महत्वपूर्ण हैं। राज्य सरकार युवाओं के सुझावों पर विचार कर आगामी योजनाएं तैयार कर रही है।

उन्होंने कहा कि माता-पिता बच्चों के सबसे पहले गुरु होते हैं, युवा उनसे सीख लेकर लगन, मेहनत, अनुशासन, संस्कारों को आत्मसात करें और आत्मविश्वास के साथ उनके सपनों को साकार करें। उन्होंने कहा कि युवाओं का सामर्थ्य असीमित है। हमारा प्रयास है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच के अनुरूप हमारे प्रदेश का युवा विकास में अपना योगदान दे।

हर युवा को सम्मान मिले और उसे अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने विगत ढाई वर्षों में 1 लाख 78 हजार से अधिक युवाओं के सरकारी नौकरी के सपने को साकार किया है। करीब 51 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं तथा 80 हजार से अधिक पदों की भर्ती कलैण्डर में शामिल है। साथ ही, 70 हजार नए पदों पर भर्ती की तैयारी की जा रही है। वहीं, निजी क्षेत्र में भी साढ़े चार लाख रोजगार दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पेपरलीक के दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की है, कानून को और सख्त बनाया गया है और भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी एवं सुरक्षित बनाया जा रहा है। पेपरलीक के अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने के लिए एसआईटी का गठन कर पेपरलीक और अन्य अनियमितताओं के मामलों में 569 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हमारी सरकार द्वारा अब तक 410 परीक्षाएं बिना किसी पेपरलीक के आयोजित की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान का युवा केवल नौकरी लेने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बने, इसके लिए सरकार द्वारा उद्यमिता एवं स्वरोजगार को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। राजस्थान स्टार्टअप कार्यक्रम के तहत अब तक 4 हजार 623 स्टार्टअप्स पंजीकृत हुए हैं तथा 1 हजार 62 स्टार्टअप्स को आई-स्टार्ट फंड से 34 करोड़ रुपये की फंडिग प्रदान की गई। 9 स्टार्टअप प्रोग्राम पूर्ण किए गए हैं, जिसमें कुल 988 स्टार्टअप्स ने भाग लिया। साथ ही, राज्य कौशल नीति-2025 और युवा नीति भी जारी की गई है।

उन्होंने कहा कि अपने प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों के दम पर राजस्थान अब खेलों में नई पहचान बना रहा है। राज्य सरकार खेल संरचना का विस्तार, अकादमियों की स्थापना, प्रतिभाओं को प्रोत्साहन और खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में राजस्थान टारगेट ऑलम्पिक पोडियम योजना लागू की गई, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स आयोजित किए गए। 17 नवीन खेलो इंडिया केंद्र प्रारंभ किए जा रहे हैं। साथ ही, 41 जिला मुख्यालयों पर आवासीय खेल अकादमियां भी प्रारंभ की गई हैं।

चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने में बरती जाए सख्ती: दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने अधिकारियों को चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने और चारागाह विकास समितियों का पुनर्गठन करने के निर्देश दिए। दिलावर ने मंगलवार को यहां आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। बैठक में वर्ष 2024-25, 2025-26 और 2026-27 की बजट घोषणाओं, स्वामित्व योजना तथा विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू समुदायों को आवासीय पट्टे वितरित करने की प्रगति की समीक्षा की गई। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, बैठक में दिलावर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्य की नियमित निगरानी की जाए और प्रक्रियाधीन मामलों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। दिलावर ने कहा कि सरकार की प्रत्येक बजट घोषणा आमजन से किया गया संकल्प है, इसलिए सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे किए जाएं। मंत्री ने चारागाह भूमि पर बढ़ते अतिक्रमणों पर चिंता जताते हुए कहा कि चारागाह सार्वजनिक संपत्ति है और इसकी सुरक्षा हर स्तर पर सुनिश्चित की जानी चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश में चिन्हित 200 बड़े अतिक्रमणकारियों के खिलाफ तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने तथा आवश्यकता पड़ने पर प्राथमिकी दर्ज कर कानून के तहत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। दिलावर ने कहा कि कई स्थानों पर चारागाह भूमि पर अवैध कब्जे किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर चारागाह भूमि समाप्त हो जाएगी तो गौवंश के लिए चराई की व्यवस्था करना कठिन होगा।

मंत्री ने कानून के सभी प्रावधानों का उपयोग करते हुए चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने और चारागाह विकास समितियों का पुनर्गठन करने के निर्देश दिए।

बैठक में मंत्री ने कनिष्ठ लिपिक भर्ती-2013 प्रकरण की भी समीक्षा की। उन्होंने पांच जिलों में जांच पूरी हो चुके मामलों में अयोग्य अभ्यर्थियों की सेवाएं समाप्त करने और शेष मामलों को आगे की जांच के लिए विशेष कार्यबल (एसओजी) को भेजने के निर्देश दिए। दिलावर ने कहा कि ग्राम पंचायतें गांवों की सरकार हैं और उन्हें अधिक सक्षम, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से पंचायत स्तर पर सुशासन को और मजबूत करने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए।

पुलिस अकादमी ने मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने पुलिस कल्याण, मानसिक स्वास्थ्य, प्रशिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए ब्रिटेन के यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राजस्थान पुलिस अकादमी और यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के बीच यह समझौता पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक शर्मा ने कहा कि करीब 200 वर्ष पुराने इस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के साथ जुड़ना राजस्थान पुलिस के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस के अनुभव और उपलब्ध आंकड़ों तथा विश्वविद्यालय की शोध विशेषज्ञता के समन्वय से पुलिसिंग, पुलिस कल्याण, मानसिक स्वास्थ्य व प्रशिक्षण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित होंगे।

शर्मा ने कहा कि इस साझेदारी से पुलिस अधिकारियों और कार्मिकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्रशिक्षण, सेमिनार, कार्यशालाओं और विशेषज्ञ व्याख्यानों का लाभ मिलेगा, जिससे तनाव प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य व पेशेवर दक्षता को भी मजबूती मिलेगी। आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रारंभिक चरण में सहयोग विश्वविद्यालय के 'स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज' के साथ किया जाएगा।

समझौते के तहत मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक देखभाल, स्वास्थ्य विज्ञान, पुलिस कल्याण और अन्य साझा विषयों पर संयुक्त शोध एवं अनुसंधान किए जाएंगे। डीजीपी शर्मा ने इस दौरान हाल के वर्षों में पुलिसकर्मियों द्वारा आत्महत्या की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों से इस विषय पर विशेष अध्ययन कर सुझाव देने का आग्रह किया।

समारोह में राजस्थान पुलिस अकादमी की ओर से अतिरिक्त निदेशक शंकरदत्त शर्मा तथा विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. विमल कुमार शर्मा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

धौलपुर जिले में बीते ढाई साल में दो हजार करोड़ रुपये के विकास कार्य किये गए : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कहा कि पिछले ढाई साल में धौलपुर जिले में लगभग 2,000 करोड़ रुपये के विकास कार्य किये गए हैं। मुख्यमंत्री धौलपुर जिले के राजाखेड़ा क्षेत्र की फूलपुर ग्राम पंचायत में आयोजित लोकार्पण-शिलान्यास समारोह एवं जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार धौलपुर जिले के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ेगी और पिछले ढाई साल में जिले में लगभग 2,000 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए गए हैं। शर्मा ने कहा, हम जनता की सुनते हैं, इसलिए न तो काम की कमी है और न ही बजट की।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लगभग 177 करोड़ रुपये लागत के 17 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनता को पानी, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य और रोजगार सहित सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत मिलने वाली राशि के अतिरिक्त तीन हजार रुपये देने का प्रावधान किया गया है। शर्मा ने कहा कि किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ मिल रहा है और 26 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को सशक्त और समृद्ध बनाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं, युवाओं सहित प्रत्येक वर्ग के सपनों को साकार करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। बेढम ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था को भी मजबूत किया गया है।

राजस्थान में कई जगह भारी बारिश होने का पूर्वानुमान

जयपुर। राजस्थान के कई इलाकों में आज और कल एक नए परिसंचरण तंत्र के प्रभाव से भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान के ऊपर एक परिसंचरण तंत्र बना हुआ है। साथ ही अन्य मानसूनी परिस्थितियों के कारण आज मंगलवार से पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, जयपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने व कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 29 जुलाई से कोटा, भरतपुर, जयपुर, अजमेर, उदयपुर व बीकानेर संभाग के कुछ और भागों में बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी। इस दौरान दक्षिण-पूर्वी और पूर्वी भागों में कहीं-कहीं भारी एवं अतिभारी बारिश हो सकती है। तीस जुलाई से दो अगस्त के दौरान भी पूर्वी व पश्चिमी राजस्थान के कुछ भागों में मानसून सक्रिय रहने तथा कहीं-कहीं भारी एवं अतिभारी बारिश होने का अनुमान है।

वहीं मंगलवार सुबह तक बीते चौबीस घंटों के दौरान राज्य में अनेक जगह हल्की से मध्यम बारिश हुई। चित्तौड़गढ़ एवं सिरोही जिले में कहीं-कहीं भारी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 67.0 मिलीमीटर (भारी वर्षा) वर्षा राश्मी (चित्तौड़गढ़) और आबू रोड (सिरोही) में हुई।

राइजिंग राजस्थान के निवेश प्रस्तावों की समयबद्ध ग्राउंडिंग सुनिश्चित करें : मुख्य सचिव

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशानुरूप राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए निवेश समझौतों (एमओयू) की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करते हुए नवंबर 2026 तक निर्धारित ग्राउंडिंग लक्ष्य हर हाल में प्राप्त किए जाएं तथा निवेश प्रस्तावों की प्रभावी डिलीवरी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अब प्राथमिकता केवल एमओयू पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं है, बल्कि निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारकर उनकी प्रभावी क्रियान्विति एवं डिलीवरी सुनिश्चित करने की है। मुख्य सचिव मंगलवार को शासन सचिवालय में राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत हस्ताक्षरित एमओयू की विभागवार प्रगति एवं नवंबर 2026 तक निर्धारित ग्राउंडिंग लक्ष्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने सभी विभागों को नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित कर लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यक प्रस्ताव एवं फाइलें शीघ्र प्रस्तुत की जाएं तथा संबंधित जिला कलक्टरों के साथ सतत समन्वय स्थापित कर निवेश परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि ऊर्जा विभाग निवेश प्रस्तावों के क्रियान्वयन में सबसे बड़ा भागीदार है, इसलिए ऊर्जा विभाग सहित सभी विभाग निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए तेजी से कार्य करें।

अतिरिक्त मुख्य सचिव, उद्योग शिखर अग्रवाल ने विभागवार प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत 11 हजार से अधिक सक्रिय एमओयू के माध्यम से 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव विभिन्न चरणों में हैं।

राज्य स्तरीय स्वाधीनता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य स्तरीय स्वाधीनता दिवस समारोह-2026 के सफल, गरिमापूर्ण एवं सुव्यवस्थित आयोजन के संबंध में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि बीकानेर के लिए यह गर्व और हर्ष का विषय है कि इस वर्ष राज्य स्तरीय स्वाधीनता दिवस समारोह का आयोजन बीकानेर में किया जा रहा है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वे बीकानेर जिला प्रशासन के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित समयसीमा में सभी तैयारियां पूर्ण करें, ताकि समारोह का आयोजन गरिमापूर्ण, भव्य एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया जा सके।

बैठक में बीकानेर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय मुख्य समारोह के साथ-साथ बीकानेर एवं जयपुर में आयोजित होने वाले 'एट होम' कार्यक्रमों की तैयारियों एवं आयोजन स्थलों से संबंधित व्यवस्थाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर बीकानेर में आयोजित होने वाला सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रभक्ति की भावना का प्रभावी प्रतिबिंब बने तथा उसे आकर्षक एवं यादगार स्वरूप दिया जाए।

बैठक के दौरान बीकानेर जिला कलेक्टर से समारोह स्थल के चयन, पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पेयजल, चिकित्सा सुविधाएं, विद्युत व्यवस्था, परेड, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तथा अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली गई। मुख्य सचिव ने समारोह में विद्यार्थियों, लोक कलाकारों तथा आमजन की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।

बाघों की दहाड़ से गूंज रहा राजस्थान: संख्या 149 हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कभी महज 18-20 बाघों तक सिमट चुके राजस्थान के जंगल आज फिर उसकी दहाड़ से गूंज रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस (29 जुलाई) के अवसर पर प्रदेश के पांचों बाघ अभयारण्यों में बाघों की संख्या बढ़कर 149 पहुंच जाना वन्यजीव संरक्षण की बड़ी सफलता का प्रतीक है। हालांकि, बाघों की बढ़ती आबादी के साथ उनके लिए पर्याप्त आवास, नए क्षेत्रों का विकास और गांवों के विस्थापन जैसी चुनौतियां भी तेजी से सामने आ रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि संरक्षण की इस सफलता को बनाए रखने के लिए अब बाघों के विस्तार के अनुरूप बेहतर प्रबंधन की जरूरत है।

प्रदेश में बाघों की लगातार बढ़ती संख्या के कारण राजस्थान को अब 'बाघस्थान' कहा जाने लगा है। रणथम्भौर, सरिस्का, धौलपुर-करौली, मुकुंदरा हिल्स और रामगढ़ विषधारी बाघ अभयारण्य में बाघ, बाघिन और शावकों की संख्या इस वर्ष बढ़कर 149 हो गई है, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 135 थी। मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक के.सी. अरुण प्रसाद ने पीटीआई-भाषा को बताया कि इस वर्ष प्रदेश के पांचों बाघ अभयारण्यों में 54 बाघिनों ने 53 शावकों को जन्म दिया है, जबकि वर्ष 2025 में 52 बाघिनों ने 43 शावकों को जन्म दिया था। इस बार सबसे अधिक 28 शावकों का जन्म सरिस्का बाघ अभयारण्य में हुआ है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सबसे अधिक 72 बाघ (बाघ, बाघिन और शावक) रणथम्भौर बाघ अभयारण्य में हैं, जबकि पिछले वर्ष यहां इनकी संख्या 66 थी। वहीं, सरिस्का में बाघों की संख्या बढ़कर 56 हो गई है, जो पिछले वर्ष 50 थी। वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि बाघों की बढ़ती संख्या इस बात का संकेत है कि प्रदेश के जंगल सुरक्षित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाघ किसी भी वन पारिस्थितिकी तंत्र के शीर्ष शिकारी होते हैं और उनकी मौजूदगी पूरे जंगल के स्वस्थ होने का प्रमाण मानी जाती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, करीब दो दशक पहले राजस्थान में बाघों का अस्तित्व संकट में था और प्रदेश में केवल 18 से 20 बाघ ही बचे थे। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है और राजस्थान देश के प्रमुख बाघ आवासों में शामिल हो गया है। वर्तमान में पांचों बाघ अभयारण्यों में वयस्क बाघ-बाघिनों की संख्या करीब 96 है, जबकि शावकों को मिलाकर कुल संख्या 149 तक पहुंच गई है। अकेले रणथम्भौर में लगभग 50 वयस्क बाघ-बाघिन और 22 शावक हैं।

वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बाघों के जन्म और उनके जीवित रहने की दृष्टि से रणथम्भौर देश के सबसे सफल बाघ अभयारण्यों में शामिल है। पर्यटन और बाघ देखने के लिए लोगों के आने के लिहाज से भी रणथम्भौर अन्य अभयारण्यों से आगे है।

वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, रणथम्भौर का जंगल शुष्क वन क्षेत्र है। घने जंगलों की तुलना में यहां बाघों को देखना अपेक्षाकृत आसान होता है, इसलिए यह देशी-विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद बना हुआ है। अधिकारियों ने कहा कि करीब 1,500 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले रणथम्भौर बाघ अभयारण्य में फिलहाल लगभग 700 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में ही बाघों का सक्रिय विचरण है।रणथम्भौर के उपवन संरक्षक मानस सिंह ने बताया कि यहां की सबसे बड़ी ताकत समृद्ध शिकार प्रजातियां हैं। सांभर, चीतल और अन्य शाकाहारी वन्यजीवों की पर्याप्त उपलब्धता तथा विकसित घासभूमि बाघों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करती है।

विशेषज्ञों ने कहा कि रणथम्भौर में बाघों के जीवित रहने की दर लगभग 80 प्रतिशत है, जो देश के प्रमुख बाघ अभयारण्यों में सबसे बेहतर मानी जाती है। उन्होंने कहा कि रणथम्भौर का इतिहास बाघिन 'मछली' (टी-16) के बिना अधूरा माना जाता है। करीब दो दशक तक रणथम्भौर पर राज करने वाली इस प्रसिद्ध बाघिन ने 18 शावकों को जन्म दिया। उसके वंशजों ने सरिस्का, मुकुंदरा और रामगढ़ विषधारी जैसे अन्य बाघ अभयारण्यों को आबाद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वर्ष 2008 में जब सरिस्का बाघविहीन हो गया था, तब रणथम्भौर की बाघिन 'मछली' के वंशजों के पुनर्वास से वहां फिर बाघों की वापसी हुई। उसकी स्मृति में भारत सरकार ने 2013 में डाक टिकट जारी किया। रणथम्भौर के जोगी महल में उसका स्मारक भी बनाया गया है तथा वन विभाग ने उसके नाम पर 'मछली पुरस्कार' की शुरुआत की है। बाघों की संख्या में वृद्धि वन विभाग के लिए नयी चुनौती भी लेकर आई है। रणथम्भौर में उपलब्ध आवास अब सीमित पड़ने लगा है।

100 करोड़ रुपये से अधिक की सभी परियोजनाएं समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरी हों : सम्राट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को राज्य में जारी 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं और केंद्र प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों को सभी परियोजनाओं को गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने तथा प्रगति में आने वाली बाधाओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार ने विकास की गति पकड़ ली है और अब इसे और तेज करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, चौधरी ने कोसी-मेची अंतरराज्यीय लिंक परियोजना के निर्माण कार्य में मानसून के बाद तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और नियमित समीक्षा के माध्यम से समस्याओं का समाधान करने को कहा।

चौधरी ने नॉर्थ कोयल जलाशय परियोजना' के कार्यों में तेजी लाने और इसे जल्द पूरा कर सिंचाई क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने मंडई वीयर परियोजना की नियमित निगरानी करते हुए इसे समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए ताकि राज्य की सिंचाई और जल प्रबंधन व्यवस्था मजबूत हो सके। चौधरी ने वाराणसी-रांची-कोलकाता छह लेन कॉरिडोर, आमस-दरभंगा फोर लेन परियोजना और कन्हौली-शेरपुर (एनएच-131जी) छह लेन परियोजना के निर्माण कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने भूमि अधिग्रहण, वन विभाग की स्वीकृति और अन्य प्रशासनिक बाधाओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से सड़क संपर्क बेहतर होगा, आवागमन सुगम बनेगा और राज्य में आर्थिक एवं औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने 'टीबी मुक्त बिहार' अभियान की भी समीक्षा की और अधिक से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग एवं जांच कर संभावित टीबी मरीजों की जल्द पहचान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। चौधरी ने अधिक प्रभावित क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाने, सभी टीबी केंद्रों को सक्रिय करने और बंद केंद्रों को पुन: शुरू करने को कहा। मुख्यमंत्री ने दो जुलाई से 14 अगस्त, 2026 तक जारी विशेष अभियान को जनभागीदारी से सफल बनाने, गांवों एवं पंचायतों तक जागरूकता अभियान पहुंचाने, मरीजों को समय पर उपचार, पोषण सहायता और दवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में सीएसआर के माध्यम से राज्य में 2,000 करोड़ रुपये का कोष जुटाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने को कहा। चौधरी ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, खेल और महिला सशक्तीकरण जैसे क्षेत्रों में सीएसआर फंड के प्रभावी उपयोग के लिए उद्योगों एवं कॉरपोरेट संस्थानों के साथ समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया।

सीजेआई ने उच्चतम न्यायालय की इमारत पर अशोक चक्र लगाने से संबंधित याचिका खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने अपनी इमारत पर अशोक चक्र स्थापित किये जाने संबंधी याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने कहा कि अदालत इस मामले में खुद फैसला लेगी। 'बाबा खतरनाक' के नाम से भी जाने जाने वाले याचिकाकर्ता बदरावाड़ा वेणुगोपाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए सीजेआई ने कहा, 'उच्चतम न्यायालय के गेट पर क्या लगाना है, हम देख लेंगे... दुनिया में इतनी समस्याएं हैं, उनपर ध्यान दीजिए।'

यह याचिका न्यायालय के मुख्य गुंबद पर राष्ट्रीय प्रतीक अशोक चक्र लगाए जाने से जुड़ी थी। याचिकाकर्ता का कहना था कि अदालतों की अपनी एक संवैधानिक पहचान होती है और राष्ट्रीय चिह्न उसका एक हिस्सा होना चाहिए। अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार, वेणुगोपाल ने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत इस मुद्दे पर निर्देश देने की मांग करते हुए रिट याचिका दायर की थी। न्यायालय ने 23 मार्च को इस याचिका का निपटारा करते हुए कहा था कि इस मामले पर मूल रूप से प्रशासनिक स्तर पर विचार किया जाना चाहिए। न्यायालय ने अपने महासचिव को निर्देश दिया था कि वह सक्षम प्राधिकारी के सामने इस मामले को रखें।

प्रधान का किसी 'सुपरस्टार' की तरह स्वागत किया जाना शर्मनाक है : प्रियंका

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने संसद परिसर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कुछ सांसदों द्वारा पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का स्वागत किए जाने को लेकर मंगलवार को सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधा और कहा कि प्रधान का किसी ''सुपरस्टार'' की तरह स्वागत किया जाना शर्मनाक है। प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में यह आरोप भी लगाया कि सरकार छात्रों का दमन करना चाहती है।

उन्होंने कहा, ''सभी ने देखा कि किन परिस्थितियों में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दिया, लेकिन अगले ही दिन संसद परिसर में उनका ऐसा स्वागत किया गया, मानो वह कोई सुपरस्टार हों।'' लोकसभा सदस्य ने कहा, क्या यह शर्मनाक नहीं है? कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार पर भरोसा नहीं किया जा सकता क्योंकि आज भी छात्रों को परेशान किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार को इस मामले का समाधान बातचीत के माध्यम से करना चाहिए, लेकिन वह अब भी छात्रों के पीछे पड़ी हुई है और उनका दमन करना चाहती है। प्रियंका गांधी का कहना था कि सरकार को छात्रों के प्रति अपना रवैया बदलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि प्रधान शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफे के बाद सोमवार को जब पहली बार संसद पहुंचे तो भाजपा के कुछ सांसदों ने उनका स्वागत किया। बिहार के दरभंगा से लोकसभा सदस्य गोपालजी ठाकुर ने उन्हें 'पाग' (मिथिला की पारंपरिक टोपी) पहनाई।

भाजपा ने प्रधान को हटाकर प्रधानमंत्री को बचा लिया : अखिलेश

नई दिल्ली/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा देने को लेकर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तंज कसते हुए कहा कि उसने प्रधान का त्यागपत्र लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बचा लिया। सदन में सपा के नेता ने लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि जो राम मंदिर में चढ़ावा चोरी नहीं रोक पाए, वो पेपर लीक भला कैसे रोक पाएंगे। यादव ने जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन का हवाला दिया और कहा कि ''सरकार झुकती है, सिर्फ झुकाने वाला चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''पूर्व शिक्षा मंत्री (प्रधान) जब लोकसभा में लौटे तो सदन के बाहर उनका स्वागत किया गया। इससे हमें कोई शिकायत नहीं है। माननीय सदस्यों को कितनी राहत मिली होगी...एक प्रधान जी को हटाकर आपने (भाजपा) प्रधानमंत्री बचा लिया।'' सपा नेता ने कहा, ''नई पीढ़ी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने भाजपा को झुकाने के लिए विवश कर दिया।'' उन्होंने कहा जब सरकार घबरा जाती है और डर जाती है, तब मांगों को स्वीकार कर लेती है।

लोकसभा में राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेताओं को बधाई दी गई

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में मंगलवार को राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों को बधाई दी गई। सदन की बैठक शुरू होने पर अध्यक्ष ओम बिरला ने पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों के नामों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 23वें राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के पैरा खिलाड़ियों शर्मिला धनकड़ ने स्वर्ण पदक और शिल्पा के. शायला ने कांस्य पदक जीता है। उन्होंने सर्वेश कुशारे, वलूरी अजय बाबू तथा ग्यानेश्वरी यादव (रजत पदक) एवं बिंदियारानी देवी (कांस्य पदक) का भी उल्लेख किया। लोकसभा अध्यक्ष ने कनाडा में आयोजित स्क्वैश चैंपियनशिप, 2026 का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत की 18 वर्षीय स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने इस प्रतिस्पर्धा में खिताब जीतकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा, ''मैं सदन की ओर से देश का मान बढ़ाने वाले सभी खिलाड़ियों, उनके कोच एवं टीम इंडिया को हार्दिक बधाई तथा शुभकामनाएं देता हूं।'' बिरला ने कहा, ''जब खेलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के खिलाड़ी पदक जीतते हैं और संसद उनका अभिवादन करती है तो अच्छा संदेश जाता है और खिलाड़ियों का मनोबल भी बढ़ता है।''

प्रधानमंत्री ने बलात्कारियों का ''बचाव करने वाले'' को शिक्षा मंत्री बनाया : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि शिक्षा प्रणाली में सुधार को लेकर युवाओं के प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक ऐसे व्यक्ति को देश का शिक्षा मंत्री बनाया जो बलात्कारियों का बचाव करने वाला है। उन्होंने लोकसभा में पार्टी सदस्य प्रियंका गांधी द्वारा की गई टिप्पणी के बाद शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी पर निशाना साधा।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने बिलकीस बानो मामले में दोषियों को जमानत मिलने से संबंधित एक अखबार में प्रकाशित खबर का हवाला देते हुए लोकसभा में जोशी को लेकर कुछ टिप्पणी की थी, जिसे कार्यवाही से हटा दिया गया।

इसके बाद संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा, देश में शिक्षा प्रणाली में सुधार को लेकर युवाओं के प्रदर्शन के बाद भाजपा ने भारत के शिक्षा मंत्री के रूप में ऐसे व्यक्ति को नियुक्त किया है, जो बलात्कारियों का बचाव करता है। इससे अधिक शर्मनाक बात नहीं हो सकती कि कोई व्यक्ति बलात्कारियों को संरक्षण दिए जाने की वकालत करे और वही आज देश का शिक्षा मंत्री हो।''

उन्होंने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, प्रधानमंत्री का कदम अजीब है। उनके मंत्रिमंडल में इतने लोग हैं, वह किसी को भी शिक्षा मंत्री बना सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसे व्यक्ति को चुना जो बलात्कारियों का बचाव करता है।

प्रियंका गांधी ने जब लोकसभा में इस विषय का उल्लेख किया कि तो सत्तापक्ष के सदस्यों ने आपत्ति जताई और इसे शिक्षा मंत्री के खिलाफ निराधार तथा आपत्तिजनक टिप्पणी बताया। सदन में इस मुद्दे पर कुछ देर तक हंगामे की स्थिति भी बनी।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने आपत्ति जताते हुए कहा कि नये शिक्षा मंत्री के संबंध में की गई टिप्पणी चरित्र हनन है और बिना सत्यापन के इस तरह के आरोप लगाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि प्रियंका गांधी अपने आरोपों को सत्यापित नहीं कर सकतीं तो उन्हें सदन से क्षमा मांगनी चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि बिना तथ्यों के इस तरह की बातें सदन में नहीं कही जानी चाहिए। वहीं केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि प्रियंका गांधी वाद्रा इस तरह कोई भी आरोप लगाकर बच नहीं सकतीं। उन्होंने मांग की कांग्रेस सांसद सदन से माफी मांगें और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। प्रियंका गांधी ने कहा कि वह उचित माध्यम से सदन में अपनी बात सत्यापित करेंगी।

जौहर विश्वविद्यालय मामले में मुरादाबाद मंडलायुक्त की अदालत तीन अगस्त को करेगी सुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुरादाबाद/भाषा। उत्तर प्रदेश के रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय परिसर की 38 संरचनाओं के प्रस्तावित ध्वस्तीकरण से जुड़े मामले में मुरादाबाद मंडलायुक्त की अदालत तीन अगस्त को सुनवाई करेगी। मामले की सुनवाई मंगलवार को प्रस्तावित थी लेकिन सोमवार को एक वरिष्ठ अधिवक्ता के निधन पर आयोजित शोक सभा के बाद वकीलों के न्यायिक कार्य से विरत रहने के कारण इसे टाल दिया गया। मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने सोमवार को याचिकाकर्ता के वकील की ओर से दाखिल अर्जी पर मामले की सुनवाई करते हुए अगले आदेश तक प्रस्तावित ध्वस्तीकरण पर रोक लगा दी थी। सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा कि एहतियाती उपाय के तौर पर अंतरिम आदेश जारी किया गया है।

उन्होंने कहा, अगर मंगलवार को न्यायिक कार्य निलंबित रहता और रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) तथा जिला प्रशासन 38 संरचनाओं को ध्वस्त करने की कार्रवाई आगे बढ़ाते तो इससे जटिलताएं उत्पन्न हो सकती थीं। मंडलायुक्त ने बताया कि अब मामले की अगली सुनवाई तीन अगस्त को होगी। इससे पहले 15 जुलाई को आरडीए ने विश्वविद्यालय प्रशासन को 15 दिनों के भीतर 40 इमारतों में से 38 को ध्वस्त करने का निर्देश दिया था। प्राधिकरण का आरोप था कि इन संरचनाओं का निर्माण आवश्यक मंजूरी के बिना किया गया है। ध्वस्तीकरण के लिए दी गई समय-सीमा 30 जुलाई को समाप्त हो रही है। प्रस्तावित कार्रवाई के विरोध में विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के बाहर छात्रों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया था।

समाजवादी पार्टी सहित कई राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने भी कार्रवाई का विरोध करते हुए आदेश वापस लेने की मांग की थी। मंडलायुक्त द्वारा ध्वस्तीकरण पर अंतरिम रोक लगाए जाने के बाद मंगलवार को विद्यार्थियों ने अपना धरना समाप्त कर दिया।

मोदी सरकार में नीलेकणी के नेतृत्व वाले कार्यबल की रिपोर्ट भी धूल फांकेगी : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार को दावा किया कि मोदी सरकार का अब तक का रिकॉर्ड देखते हुए यह स्पष्ट है कि परीक्षा प्रणाली में सुधार से जुड़ी राधाकृष्णन समिति की तरह नए कार्य बल की रिपोर्ट भी धूल फांकेगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में एक अंग्रेजी दैनिक में प्रकाशित खबर का हवाला देते हुए कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में लगातार गड़बड़ियों के बाद मोदी सरकार ने परीक्षा प्रणाली में सुधार के सुझाव देने के लिए के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया था। उन्होंने कहा कि समिति ने कुल 101 सिफारिशें की थीं, जिनमें 60 अल्पकालिक, 30 मध्यम अवधि की और छह सरकार के लिए थीं।

कांग्रेस महासचिव ने अंग्रेजी दैनिक में प्रकाशित विश्लेषण का हवाला देते हुए दावा किया कि समिति की 101 सिफारिशों में से 27 अब तक लागू नहीं की गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने इस मामले में देश को जानबूझकर गुमराह किया। रमेश के मुताबिक, तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिसंबर, 2024 में घोषणा की थी कि समिति की सिफारिशों के अनुरूप एनटीए अब भर्ती परीक्षाएं आयोजित नहीं करेगा, लेकिन इसके बावजूद एनटीए ने 2025 और 2026 में कई भर्ती परीक्षाएं आयोजित कीं। कांग्रेस नेता ने यह भी दावा किया कि 2024 और 2026 के कथित पेपर लीक मामलों के बीच करीब दो वर्षों तक एनटीए में पूर्णकालिक महानिदेशक की नियुक्ति नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों को लागू करने की न तो सरकार की राजनीतिक इच्छाशक्ति थी और न ही ईमानदार मंशा। कांग्रेस नेता ने कहा कि ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब नंदन नीलेकणी की अगुवाई में उच्चस्तरीय कार्यबल किस मुंह से बना रहे हैं। उन्होंने दावा किया, सरकार के अब तक के रिकॉर्ड को देखते हुए इस कार्यबाल की रिपोर्ट भी धूल फांकेगी।''

कोलकाता की अदालत ने नीट प्रदर्शन के दौरान हिंसा के मामले में 16 आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता की एक अदालत ने राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक के विरोध में वामपंथी छात्र संगठनों के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के मामले में गिरफ्तार 16 लोगों को मंगलवार को 30 जुलाई तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

सियालदह स्टेशन से मध्य कोलकाता के एस्प्लेनेड तक निकाले गए मार्च के दौरान कुछ लोगों ने पत्रकारों पर हमला किया था, जिससे कई पत्रकार घायल हो गए थे।

मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत ने आरोपियों की जमानत याचिका खारिज करते हुए उन्हें 30 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इन 16 आरोपियों पर हाल ही में लागू किए गए सख्त गुंडा अधिनियम की धाराएं भी लगाई गई हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को रैली के दौरान हुई हिंसा के बाद कहा था कि मार्च में हिंसा करने वाले लोगों का नीट प्रश्नपत्र लीक विरोध प्रदर्शन से कोई संबंध नहीं था और उनपर राष्ट्र विरोधी तत्व होने का संदेह है। राज्य सरकार ने दावा किया कि हिंसा के मामले में जिन कम से कम 70 लोगों की पहचान की गई है, वे न तो छात्र हैं और न ही कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के सदस्य।

सरकार के अनुसार उनका नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ हुए आंदोलन से भी कोई सीधा संबंध नहीं था। राज्य सरकार की ओर से अदालत में पेश वकील ने आरोपियों को हिरासत में रखने की मांग करते हुए कहा कि यदि उन्हें जमानत पर रिहा किया गया, तो जांच पर गंभीर असर पड़ेगा।

पूर्व मंत्री की भवन से गिरकर मौत

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता नानक राम भुर्जी (68) की मंगलवार को हजरतगंज क्षेत्र स्थित दारुलशफा नए विधायक निवास परिसर के ऊपरी तल से गिरकर मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, विधायक निवास के कार्यालय प्रभारी ने स्थानीय चौकी को सूचना दी कि परिसर के पीछे एक ऊपरी तल से एक व्यक्ति गिर गया है। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और भुर्जी को अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सरकारी अस्पताल के निदेशक डॉ. जीसी गुप्ता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पूर्व मंत्री को अपराह्न करीब ढाई बजे मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया। उन्होंने बताया कि भुर्जी के शरीर पर चोट के निशान थे और मौत का सही कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम किया जाएगा।

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को मिला 158.66 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टाटा संस के कार्यकारी चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 158.66 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक मिला, जबकि एक साल पहले यह 155.81 करोड़ रुपये था। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। चंद्रशेखरन को मिला यह अब तक का सर्वाधिक पारिश्रमिक है। टाटा संस ने 2022 से कार्यकारी पारिश्रमिक का खुलासा करना शुरू किया है। पिछले पांच वर्षों में उन्होंने कुल 671.4 करोड़ रुपये कमाए हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के उनके पारिश्रमिक में 17.97 करोड़ रुपये वेतन एवं अन्य लाभ के हैं, जबकि 140.69 करोड़ रुपये मुनाफे से जुड़ा कमीशन रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 के बराबर है।

इस पारिश्रमिक के साथ चंद्रशेखरन भारत के सबसे अधिक वेतन पाने वाले कॉरपोरेट दिग्गजों में शामिल हो गए हैं। एचसीएल टेक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सी. विजयकुमार को वित्त वर्ष 2025-26 में 176 करोड़ रुपये मिले, जबकि पर्सिस्टेंट सिस्टम्स के सीईओ संदीप कालरा ने 2024-25 में 148 करोड़ रुपये कमाए थे। हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी चेयरमैन पवन मुंजाल को 2025-26 में 122 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक मिला।

टाटा संस के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) और कार्यकारी निदेशक सौरभ अग्रवाल वित्त वर्ष 2025-26 में 33.69 करोड़ रुपये के पारिश्रमिक के साथ कंपनी में दूसरे सबसे अधिक वेतन पाने वाले अधिकारी रहे। इसमें 26 करोड़ रुपये का कमीशन भी शामिल है। वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, बोर्ड के बाकी सात सदस्यों को बैठक में शामिल होने के शुल्क के अलावा कोई पारिश्रमिक नहीं मिला। वहीं निदेशक वेणु श्रीनिवासन ने टाटा संस के बोर्ड में शामिल होने के बाद से चली आ रही परंपरा के तहत इस बार भी कोई कमीशन नहीं लिया। टाटा समूह की विभिन्न सूचीबद्ध कंपनियों में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली कंपनी टाटा संस के निदेशक मंडल ने 1,10,717 रुपये प्रति शेयर के लाभांश की सिफारिश की है, जिस पर शेयरधारकों की मंजूरी बाकी है।

सुविचार

आत्मविश्वास सफलता की पहली सीढ़ी है। अपने आप पर भरोसा रखें, डर को पीछे छोड़ें, हिम्मत से आगे बढ़ें, मंजिल निकट आएगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वांगचुक भूखे रहे, 'क्रांतिवीरों' ने पकवान उड़ाए

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने जब से अपना अनशन खत्म किया है, उन पर उलाहनों की बौछार हो रही है। वे कल तक कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की आंखों के तारे थे। अब इल्ज़ामों के तीखे तीर झेल रहे हैं। लद्दाख का एक व्यक्ति दिल्ली की गर्मी में 26 दिनों तक भूखा बैठा रहा, लेकिन सीजेपी के समर्थक सोशल मीडिया पर टिप्पणियां कर रहे हैं कि 'वांगचुक को अपना अनशन लंबा खींचना चाहिए था, ताकि केंद्र सरकार पर और दबाव पड़ता, कुछ और मंत्रियों के इस्तीफे होते।' यह सुझाव देने वाले खुद तो जंतर-मंतर पर पिज़्ज़ा, बर्गर, पास्ता, समोसे, नूडल्स, मोमोज, सैंडविच, डोसा, छोले-भटूरे और कई पकवानों पर हाथ साफ कर रहे थे, लेकिन वांगचुक को भूखा रखना चाहते थे, ताकि देश में राजनीतिक अस्थिरता फैले। यह कैसी सोच है, जो अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए किसी के जीवन की परवाह नहीं करती है? आज देश में बहुत लोग यह कहते हुए दिल्ली पुलिस की निंदा कर रहे हैं कि वह वांगचुक को उठाकर अस्पताल ले गई थी, इसलिए प्रदर्शनकारी भड़के और वे संसद भवन की ओर चल पड़े थे। सोचिए, अगर दिल्ली पुलिस उन्हें अस्पताल न ले जाती तो क्या होता? वांगचुक खुद एक वीडियो में स्वीकार कर चुके हैं कि अनशन की वजह से उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ा है। अगर सोनम वांगचुक धरना स्थल पर ही रहते तो उनकी तबीयत बिगड़ती और प्राणों पर बहुत बड़ा संकट मंडराता। उस स्थिति में सीजेपी के कथित क्रांतिवीर और उन्हें पर्दे के पीछे से समर्थन दे रहे संगठन हंगामा खड़ा करते कि देश की राजधानी में एक इन्सान ने भूख से तड़पकर दम तोड़ दिया।

उससे कानून व्यवस्था का कितना बड़ा संकट पैदा होता? आज जो 'क्रांतिवीर' कह रहे हैं कि 'वांगचुक को अनशन तोड़ने में इतनी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए थी, मंत्री के हाथ से गिलास लेने की जरूरत नहीं थी, शर्तों में स्पष्टता के लिए कुछ दिन और इंतजार करना चाहिए था', वे उनके नाम पर अपनी राजनीतिक पारी शुरू करने के चक्कर में थे। चूंकि ऐसे मामलों में सहानुभूति की लहर चलती है, इसलिए जो व्यक्ति उस नाम का सहारा लेकर चुनावी मैदान में कूदता है, उसे फायदा मिलने की संभावना काफी ज्यादा होती है। वांगचुक अभी स्वास्थ्य-लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उन्हें पहले जैसी स्थिति तक पहुंचने में कई दिन लग सकते हैं। वहीं, सीजेपी के 'नौनिहाल' क्या कर रहे हैं? एक आलीशान होटल में जश्न मनाते हुए उनका वीडियो वायरल हुआ है! दूसरों से आदर्श, नैतिकता, संयम, सदाचार और तपस्या की उम्मीद करने वाले खुद मौज उड़ा रहे हैं! ये न जरा-सी भूख बर्दाश्त कर सकते हैं, न प्यास झेल सकते हैं, न पार्टी करने का मौका गंवा सकते हैं! हां, इनके लिए कोई और भूखा रह जाए, कोई और प्यासा रह जाए, वह इन्हें खुशी-खुशी कबूल है। अनशन तोड़ने के बाद सोनम वांगचुक बहुत दु:खी नजर आए थे, क्योंकि प्रदर्शनकारियों की ओर से उन पर दबाव डाला जा रहा था। क्या अनशन कोई सजावटी सामान है, जिसके लिए फ़रमाइश की जाए कि ऐसा नहीं, वैसा होना चाहिए? वांगचुक भी इसे महसूस कर रहे हैं। अगर न करते तो ऐसा कभी नहीं कहते कि 'अपने भाइयों, बहनों और छात्रों के लिए 26 दिन भूखा रहने के बाद, जिसमें मेरा 11 किलो शरीर खत्म हो चुका है, मसल्स चले गए हैं ... दिल्ली की तपती धूप में यह सब करने के बाद क्या मुझे किसी से चरित्र प्रमाण पत्र लेना होगा कि मेरा अनशन कितना पवित्र था? मैंने तोड़ा तो किसके हाथों तोड़ा? उसके हाथों क्यों तोड़ा? इसके हाथों क्यों नहीं तोड़ा? क्या सौदा हुआ? यह सब मुझे जवाब देना होगा?' ऐसा प्रतीत होता है कि वांगचुक का भी अन्ना की तरह इस्तेमाल किया गया है।

ट्वीटर टॉक

एग्जामिनेशन सिस्टम का भरोसेमंद होना और ट्रांसपेरेंसी देश के हित का एक अहम मामला है। इस विषय पर गहरी चर्चा और गंभीर सोच-विचार ज़रूरी है। जब रूलिंग पार्टी और अपोज़िशन दोनों 'पब्लिक एग्जामिनेशन अमेंडमेंट बिल, 2026' पर चर्चा के लिए राज़ी हो गए हैं।

-ओम बिरला

भारतीय दर्शन और सनातन संस्कृति में, गुरु को साक्षात परम ब्रह्म माना जाता है। गुरु पूर्णिमा का पवित्र त्योहार हम सभी के लिए अपने गुरुओं के प्रति अपनी श्रद्धा, आभार और सम्मान दिखाने का मौका है। सच तो यह है कि गुरु सिर्फ़ शिक्षा ही नहीं देते; वे जीवन को रास्ता भी दिखाते हैं।

-योगी आदित्यनाथ

आज मैंने राज्य के युवा साथियों से दिल से बात की, उनके विचारों, इनोवेशन और एक विकसित राजस्थान के लिए उनके इरादे के बारे में जाना। उनकी एनर्जी, टैलेंट और इनोवेटिव सोच हमारे राज्य की सबसे बड़ी ताकत है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

गर्भ से ब्रह्मज्ञान तक

आयुर्वेद की कक्षा में एक छात्र ने अपने गुरु से प्रश्न किया कि गुरुदेव, मनुष्य को न तो अपने जन्म का पता चलता है और न ही अपनी मृत्यु का। फिर जीवन और मृत्यु का वास्तविक रहस्य क्या है? गुरु बोले, जैसे तृण-जलायुका (जोंक) घास के एक तिनके के अंतिम सिरे तक पहुंचकर पहले दूसरे तिनके को दृढ़ता से पकड़ती है और उसके बाद ही पहले तिनके को छोड़ती है, उसी प्रकार जीवात्मा भी अपने संचित कर्मों और वासनाओं के अनुसार अगले शरीर का आधार प्राप्त करती है। और वह पुराने शरीर से अपना संबंध समाप्त कर देती है। गुरु ने आगे समझाया कि नया शरीर प्राप्त करने की प्रक्रिया माता के गर्भ के माध्यम से होती है। गर्भ ही वह सेतु है जिसके द्वारा जीवात्मा एक शरीर से दूसरे शरीर की यात्रा पूर्ण करती है। गर्भ तम से ढक जाता है जिसके कारण उसके पहले जन्म की बातों का स्मृति नाश हो जाता है। इसलिए उसे पूर्वजन्म की बातें याद नहीं रहती। अगला शरीर उसको संचित कर्मों और वासनाओं के अनुसार अगला जन्म मिलता है। इसी कारण जीव बार-बार जन्म और मृत्यु के इस चक्र में जोंक की भांति एक शरीर से दूसरे शरीर में भ्रमण करता रहता है।

सामयिक

उत्तर प्रदेश की राजनीति हमेशा से देश की सत्ता का मार्ग तय करती आई है। ओवैसी द्वारा अखिलेश यादव की तरफ बढ़ाया गया हाथ और उस पर कांग्रेस की चिंताएं यह दर्शाती हैं कि राज्य में चुनावी जंग अब केवल विकास या जातिगत समीकरणों तक सीमित नहीं रह गई है। यह विचारधाराओं, पहचान की राजनीति और रणनीतिक वर्चस्व की एक बेहद पेचीदा लड़ाई बन चुकी है।

उत्तर प्रदेश में नए सियासी समीकरणों की आहट और कांग्रेस!

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

उत्तर प्रदेश की राजनीति ने एक बार फिर करवट लेनी शुरू कर दी है। राजनीतिक गलियारों में इस समय सबसे बड़ी चर्चा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के बीच संभावित नजदीकियों को लेकर है। हैदराबाद से चलकर हिंदी पट्टी, विशेषकर देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश, में अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे ओवैसी ने जिस तरह से अखिलेश यादव को गठबंधन का खुला प्रस्ताव दिया है, उसने राज्य के पुराने चुनावी गणित को पूरी तरह हिलाकर रख दिया है। मुरादाबाद की रैली में ओवैसी का यह कहना कि भाजपा को रोकने के लिए हम समाजवादी पार्टी से हाथ मिलाने को तैयार हैं, बशर्ते हमें हमारा वाजिब हक मिले, केवल एक राजनीतिक बयान नहीं है। यह उत्तर प्रदेश के मुस्लिम मतदाताओं के भीतर सुलग रही राजनीतिक आकांक्षाओं और असुरक्षा की भावना को एक नया मंच देने का प्रयास है।

इस पूरे घटनाक्रम ने जहां एक तरफ भारतीय जनता पार्टी को ध्रुवीकरण की राजनीति को नए सिरे से धार देने का मौका दे दिया है, वहीं दूसरी तरफ 'इंडि' गठबंधन के भीतर एक बड़ा रणनीतिक संकट खड़ा कर दिया है। इस संकट के केंद्र में सबसे अधिक कोई पार्टी प्रभावित दिख रही है, तो वह कांग्रेस है। पिछले कुछ चुनावों से उत्तर प्रदेश में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए संघर्ष कर रही कांग्रेस के लिए सपा और ओवैसी के बीच बढ़ती यह नजदीकी एक गहरी असमंजस की स्थिति लेकर आई है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि क्या अखिलेश यादव ओवैसी का हाथ थामेंगे? और यदि ऐसा होता है, या केवल इसकी सुगबुगाहट भी बनी रहती है, तो कांग्रेस इस नए चक्रव्यूह से निपटने के लिए क्या रणनीति अपनाएगी? असदुद्दीन ओवैसी की राजनीति को समझने वाले जानते हैं कि वे बिना सोचे-समझे कोई बिसात नहीं बिछाते। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी लगभग 19 से 20 प्रतिशत है, जो दर्जनों लोकसभा और विधानसभा सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाती है। पारंपरिक रूप से यह मतदाता वर्ग समाजवादी पार्टी और कुछ हद तक बहुजन समाज पार्टी या कांग्रेस की तरफ झुकता रहा है। ओवैसी ने मुरादाबाद की धरती से जो संदेश दिया, वह बहुत साफ था-मुस्लिम समुदाय अब केवल दरी बिछाने और दूसरों को सत्ता तक पहुंचाने का जरिया नहीं बनेगा, उसे सत्ता में आनुपातिक हिस्सेदारी चाहिए।

ओवैसी का यह रुख अखिलेश यादव के लिए एक बड़ी राजनीतिक दुविधा पैदा करता है। यदि अखिलेश ओवैसी को पूरी तरह खारिज करते हैं, तो ओवैसी उन पर 'मुस्लिम विरोधी' या 'मुसलमानों के वोटों का फायदा उठाने वाले नेता' का ठप्पा लगाकर अल्पसंख्यक मतों में सेंधमारी कर सकते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश के पिछले कुछ चुनावों में ओवैसी की पार्टी ने भले ही खुद ज्यादा सीटें न जीती हों, लेकिन उसने धर्मनिरपेक्ष दलों का खेल बिगाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है। यदि अखिलेश यादव ओवैसी से हाथ मिला लेते हैं, तो भाजपा को मुस्लिम तुष्टीकरण और कट्टरपंथ के तुष्टीकरण का नैरेटिव बनाने का सीधा मौका मिल जाएगा। इससे सपा की 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) रणनीति का गैर-मुस्लिम हिस्सा, विशेषकर पिछड़ी और अगड़ी जातियों का वह वर्ग जो भाजपा से नाराज होकर सपा की तरफ आ सकता है, तुरंत छिटककर वापस भाजपा के पाले में चला जाएगा।अखिलेश यादव इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि ओवैसी के साथ मंच साझा करने की एक भारी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ सकती है, जिसे उनका पारंपरिक गैर-मुस्लिम वोट बैंक शायद स्वीकार न करे। इस पूरी सियासी बिसात में कांग्रेस पार्टी सबसे नाजुक मोड़ पर खड़ी है। कांग्रेस के सामने यह संकट केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर राष्ट्रीय राजनीति और 'इंडि' गठबंधन की एकजुटता पर भी पड़ना तय है। कांग्रेस के रणनीतिकारों के सामने इस समय तीन बड़ी चुनौतियां हैं। पहली कांग्रेस खुद को देश की सबसे बड़ी और स्वाभाविक धर्मनिरपेक्ष पार्टी मानती है। उत्तर प्रदेश में वह सपा के साथ गठबंधन में रहकर खुद को अल्पसंख्यकों के रक्षक के रूप में पेश करती रही है। लेकिन अगर ओवैसी इस त्रिकोण में प्रवेश करते हैं, तो वे कांग्रेस के इस नैरेटिव को सीधे चुनौती देंगे।दूसरी कांग्रेस उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की छोटे भाई वाली भूमिका से बाहर निकलकर अपनी सीटों की संख्या और राजनीतिक प्रभाव बढ़ाना चाहती है। यदि सपा और ओवैसी के बीच कोई परोक्ष या अपरोक्ष समझौता होता है, तो गठबंधन के भीतर सीटों के बंटवारे का गणित पूरी तरह बिगड़ जाएगा।

तीसरी कांग्रेस की राष्ट्रीय रणनीति इस समय सॉफ्ट-हिंदुत्व, जातिगत जनगणना और सामाजिक न्याय के इर्द-गिर्द घूम रही है। वह बहुसंख्यक समाज के एक बड़े हिस्से को अपने साथ जोड़ना चाहती है। लेकिन अगर उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में ओवैसी और सपा की दोस्ती की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, तो भाजपा पूरे चुनाव को 'राष्ट्रवाद बनाम तुष्टीकरण' के ध्रुवों पर केंद्रित कर देगी।

ऐसी हालात में कांग्रेस समाजवादी पार्टी नेतृत्व को यह स्पष्ट संदेश देने की कोशिश करेगी कि 'इंडि' गठबंधन की एकजुटता के लिए ओवैसी जैसे तत्वों से दूरी बनाए रखना जरूरी है। कांग्रेस का तर्क होगा कि ओवैसी के साथ किसी भी तरह का गठबंधन पूरे देश में गठबंधन की छवि को नुकसान पहुंचा सकता है।

वह अखिलेश यादव को यह याद दिलाएगी कि अगर वे उत्तर प्रदेश के बाहर (जैसे मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र या बिहार में) एक गंभीर खिलाड़ी बनना चाहते हैं, तो उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के धर्मनिरपेक्ष और सर्वसमावेशी ढांचे के साथ चलना होगा, न कि किसी क्षेत्रीय या समुदाय-विशेष की राजनीति करने वाले दल के साथ। केवल ओवैसी की आलोचना करने से कांग्रेस का काम नहीं चलेगा। उसे मुस्लिम समाज के भीतर ओवैसी के प्रति बढ़ते आकर्षण को रोकना होगा। इसके लिए कांग्रेस उत्तर प्रदेश में मुस्लिम समुदाय के प्रबुद्ध वर्ग, धर्मगुरुओं और युवाओं के बीच सीधे जाकर यह संदेश देने की योजना बना रही है कि देश के स्तर पर भाजपा का मुकाबला केवल कांग्रेस ही कर सकती है, कोई क्षेत्रीय दल नहीं। कांग्रेस अल्पसंख्यक कल्याण, शिक्षा और सुरक्षा के मुद्दों पर अपने ट्रैक रिकॉर्ड को सामने रखेगी और यह साबित करने की कोशिश करेगी कि भावुक बयानों के बजाय व्यावहारिक राजनीति ही उनका भला कर सकती है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि पर्दे के पीछे भाजपा इस पूरी हलचल पर पैनी नजर रखे हुए है। भाजपा के लिए ओवैसी और अखिलेश की दोस्ती की 'आहट' भी एक बड़े सियासी वरदान जैसी है। भाजपा इस स्थिति का उपयोग अपने मुख्य एजेंडे को धार देने के लिए करेगी।तब भाजपा जनता के बीच यह संदेश ले जाने में तनिक भी देर नहीं करेगी कि सत्ता पाने के लिए सपा और कांग्रेस किसी भी हद तक जा सकते हैं, यहाँ तक कि ओवैसी जैसी राजनीति का समर्थन भी कर सकते और यदि ओवैसी अलग चुनाव लड़ते हैं, तो वे विपक्ष के वोट काटेंगे; यदि वे सपा के साथ आते हैं, तो बहुसंख्यक वोट एकजुट होकर भाजपा की तरफ आएंगे। दोनों ही सूरतों में भाजपा के लिए यह 'विन-विन' यानी हर हाल में फायदे वाली स्थिति बनती दिख रही है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति हमेशा से देश की सत्ता का मार्ग तय करती आई है। ओवैसी द्वारा अखिलेश यादव की तरफ बढ़ाया गया हाथ और उस पर कांग्रेस की चिंताएं यह दर्शाती हैं कि राज्य में चुनावी जंग अब केवल विकास या जातिगत समीकरणों तक सीमित नहीं रह गई है। यह विचारधाराओं, पहचान की राजनीति और रणनीतिक वर्चस्व की एक बेहद पेचीदा लड़ाई बन चुकी है। कांग्रेस के लिए यह समय आत्ममुग्धता से बाहर निकलकर ठोस फैसले लेने का है। उसे यह समझना होगा कि उत्तर प्रदेश का अल्पसंख्यक मतदाता अब केवल 'भाजपा के डर' से किसी को वोट देने के मूड में नहीं है, वह अपनी राजनीतिक पहचान और सम्मान चाहता है। ओवैसी इसी नब्ज को पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं। यदि कांग्रेस ओवैसी के इस उभार को रोकने में नाकाम रहती है, या अखिलेश यादव को एक आत्मघाती कदम उठाने से नहीं रोक पाती, तो उत्तर प्रदेश में 'इंडिया' गठबंधन का भविष्य संकट में पड़ सकता है। आने वाले दिन इस बात का फैसला करेंगे कि कांग्रेस इस राजनीतिक बिसात पर शह और मात के खेल में खुद को किंगमेकर के रूप में स्थापित रख पाती है या फिर उत्तर प्रदेश की राजनीति के हाशिये पर धकेल दी जाती है।

नजरिया

गुरु महिमा अपरंपार

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

गुरु के प्रति आदर सम्मान को व्यक्त करने के लिए आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा मनाई जाती है। इस बार यह बुधवार, 29 जुलाई 2024 को मनाई जाएगी। जीवन में गुरु और शिक्षक के महत्व को आने वाली पीढ़ी को बताने के लिए यह पर्व आदर्श है। सनातन परंपरा में गुरु का स्थान ईश्वर से भी ऊपर माना गया है। हमारी वैदिक संस्कृति में गुरु की महिमा का बखान प्राचीन ग्रंथों, पुराणों और शास्त्रों आदि सब में मिलता है। हमारा देश गुरु शिष्य परंपरा का अनुपम उदहारण है. इस देश में युगों युगों से गुरु को सर्वोच्च स्थान प्रदान किया गया है। गुरु ही वह इंसान है जो सही राह दिखता है। देश के महान संत कबीर ने गुरु की महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय। संत कबीर ने गुरु को को गोविंद से भी ऊँचा स्थान दिया गया है, क्योंकि गुरु ही ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग दिखाते हैं।

भारत की संस्कृति में गुरु को सर्वोच्च स्थान दिया गया है और उनके बिना ज्ञान की प्राप्ति असंभव मानी गई है। भारतीय संस्कृति में गुरु का विशेष महत्व है। मान्यता है कि प्राचीन काल में इसी दिन शिष्य अपने गुरुओं की पूजा करते थे। गुरु और शिक्षक में भी अंतर बताया गया है। शिक्षक अक्षर ज्ञान कराता है वहीँ गुरु जीवन का ज्ञान । प्राचीन समय से ही गुरु ज्ञान के प्रसार के साथ-साथ समाज के विकास का बीड़ा उठाते रहे हैं। जीवन में अंधकार को दूर कर ज्ञान की ज्योति प्रज्वलित करने वाला गुरु होता है। गुरु अज्ञान को दूर कर हमें ज्ञान का प्रकाश देता है। यह जीवन के हर क्षेत्र में गुरु के महत्त्व पर बल देता है। गुरु बच्चों को ज्ञानवान और सुसंस्कृत बनाते हैं। बच्चा घर से निकल कर विद्यालय में प्रवेश लेता है तो गुरु ही उसका अभिभावक होता है। बच्चों में अच्छे संस्कार गुरु ही डालता है। संस्कारवान बच्चे में देश सेवा का जज्बा होता है। विद्यालय से निकलकर वे देश सेवा का का व्रत लेते है।

भारत में गुरुकुल की शिक्षा को आज भी याद किया जाता है। गुरुकुल की शिक्षा में हमारे आपसी सम्बन्धों, सामाजिक सांस्कृतिक एकता, गौरवशाली परम्पराओं को प्रमुखता से केन्द्र बिन्दु में रखा जाता था ताकि बालक पढ़ लिखकर चरित्रवान बने और उसमें नैतिक संस्कारों का समावेश हो। द्रोणाचार्य का उदाहरण हमारे सामने है। एकलव्य ने द्रोणाचार्य को ही अपना गुरु बताया था और गुरु ने शिष्य से उसका अंगूठा ही मांग लिया। गुरु शिष्य परम्परा में दुनियां में ऐसे उदाहरण मिलना मुश्किल है।

यह दिन महाभारत के रचयिता कृष्ण द्वैपायन व्यास का जन्मदिन भी है। वे संस्कृत के प्रकांड विद्वान थे । उन्होंने चारों वेदों की भी रचना की थी। इस कारण उनका एक नाम वेद व्यास भी है। उन्हें आदिगुरु कहा जाता है और उनके सम्मान में गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा नाम से भी जाना जाता है। मां-बाप के बाद अगर जीवन में किसी का विशेष स्थान होता है तो वह हैं हमारे गुरु। जिस बच्चे को माता-पिता जन्म देता है, उसे जीवन की कठिन और काँटों भरी राह पर मजबूती से खड़े रहने की हिम्मत एक गुरु ही देता है।

आज गुरु शिष्य परम्परा लगभग समाप्त होती जारही है। एक दूसरे के प्रति अनुराग श्रद्धा और प्रेम की भावना नहीं रही है। गुरु शब्द ही खत्म हो गया है। गुरु का स्थान शिक्षक ने ले लिया है। सरकारी सेवा में आने के बाद शिक्षक केवल अपने काम से मतलब रखता है। शिष्य पढ़ रहा है या नहीं इससे कोई सरोकार नहीं है। शिक्षक का ध्यान अपने वेतन भत्तों पर ज्यादा रहता है। हड़ताल जैसे उसका जन्म सिद्ध अधिकार है। सही तो यह है आज जो शिक्षा बच्चों को दी जारही है उसमें संस्कार का नितांत अभाव है। बच्चा पढ़े तो ठीक है और न पढ़े तो भी ठीक है। अब तो स्थिति यह हो गई है कि विद्यालय में न तो बच्चा पढ़ना चाहता है और न अध्यापकों की शिक्षण में कोई रुचि है। गुरुकुल की शिक्षा पद्धति के स्थान पर मैकाले की शिक्षा प्रणाली अपनाकर हमने यूरोपीय सभ्यता और संस्कृति का अंधानुकरण किया जिसके वैश्विक परिणाम हमारे सामने है। हम अपने माता-पिता के सम्बन्धों को भूल गये हैं, चरित्र और नैतिकता का स्थान सिर्फ डिग्री और प्रमाण पत्र बटोरना रह गया है ताकि मैकाले की शिक्षा पर चलकर हम नौकर बन सके। शारीरिक सुखसाधनों को अपना सकें। संस्कारों और गौरवशाली सम्बन्धों का त्याग कर खुद की प्रगति ही अब सब कुछ हो गई है। इसमें अर्थोपार्जन की भूमिका अधिक बढ़ गई है। भौतिक साधनों की प्राप्ति अहम हो गई है। देश सेवा, प्रेम और उच्च नैतिक मानदण्डों का इससे निरन्तर क्षरण हो रहा है। मूल्य आधारित शिक्षा का स्थान सुख सुविधा ने ग्रहण कर लिया है। आज जरुरत इस बात की है कि हम अनुशासन और समर्पण की भावना का अंगीकार कर आगे बढे तभी गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाने की सार्थकता सिद्ध होगी।

आज गुरु शिष्य परम्परा लगभग समाप्त होती जारही है। एक दूसरे के प्रति अनुराग श्रद्धा और प्रेम की भावना नहीं रही है। गुरु शब्द ही खत्म हो गया है। गुरु का स्थान शिक्षक ने ले लिया है। सरकारी सेवा में आने के बाद शिक्षक केवल अपने काम से मतलब रखता है। शिष्य पढ़ रहा है या नहीं इससे कोई सरोकार नहीं है।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरु पूर्णिमा

गुजरात के सूरत स्थित ज्ञानगंगा विद्यालय में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अपने शिक्षक को फूल भेंट करते छात्र।प्र्ष

नीट प्रदर्शन मामले में न्यायालय ने बेदाग रिकॉर्ड वाले लोगों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को राज्यों को हाल ही में हुए छात्रों के नेतृत्व वाले आंदोलन में शामिल प्रदर्शनकारियों के खिलाफ किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक दिया और निर्देश दिया कि 18 वर्ष से कम आयु के उन लोगों को रिहा किया जाए, जिनका कोई आपराधिक इतिहास न हो। चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्नपत्र लीक होने को लेकर देशभर में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस की ज्यादतियों के आरोपों वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने कहा कि इस मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की जरूरत है।

पीठ ने कहा, ''जिस किसी ने भी ज्यादती की है या कानून को अपने हाथ में लिया है, उस पर कार्रवाई होनी चाहिए।'' शीर्ष अदालत ने पैलेट गन, कील लगी लाठियों और इलेक्ट्रिक बैटन' के इस्तेमाल जैसे आरोपों पर संज्ञान लिया, जिनकी वजह से कई छात्रों और युवतियों को गंभीर और जानलेवा चोटें आईं। पीठ ने कहा कि वह एक कार्यबल के जरिए सभी आरोपों की स्वतंत्र, निष्पक्ष और गहन जांच कराने पर विचार कर रही है। पीठ ने कहा कि इस बात का पता लगाने के लिए भी जांच की जरूरत है कि 250 पुलिसकर्मियों पर हुए हमले छात्रों ने किये थे या 'कुछ उपद्रवियों' ने।

पीठ ने उन राज्यों को कई अंतरिम निर्देश जारी किए, जहां विरोध प्रदर्शन हुए थे, ताकि प्रदर्शनों से जुड़े सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन रिकॉर्डिंग, बॉडी-कैमरा फुटेज, वायरलेस कम्युनिकेशन रिकॉर्ड, पीसीआर प्रविष्टियां और अन्य डिजिटल सबूतों को सुरक्षित रखा जा सके। न्यायालय ने यह भी आदेश दिया गया कि प्रदर्शनकारियों से जुड़ा जो भी डिजिटल डेटा इकट्ठा किया गया है, उसे सुरक्षित रखा जाए, लेकिन उसे सार्वजनिक न किया जाए। पीठ ने प्रदर्शनकारी छात्रों को दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा देने के साथ ही स्पष्ट किया कि उसका यह निर्देश उन लोगों पर लागू नहीं होगा, जिनका आपराधिक रिकॉर्ड है।

न्यायालय ने दिल्ली सरकार को मामले में दर्ज प्राथमिकियों के आधार पर जांच जारी रखने अनुमति दे दी, लेकिन यह भी कहा कि कार्यवाही लंबित रहने के दौरान दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। पीठ ने याचिकाओं में लगाए गए आरोपों पर दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार, केरल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों से भी जवाब तलब किया।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, प्रथम दृष्टया इन आरोपों पर निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की जानी चाहिए, जिसमें घायल हुए 200 से अधिक पुलिसकर्मियों के परिवारों की चिंताओं पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

पीठ ने कहा कि किसी स्वतंत्र समिति या विशेष जांच दल (एसआईटी)के गठन पर विचार करने से पहले केंद्र और संबंधित राज्यों को अपना पक्ष रिकॉर्ड पर रखने का निर्देश दिया जाता है। न्यायालय ने कहा कि ''निर्धारित प्रोटोकॉल'' का उल्लंघन होने पर कानून अपना काम करेगा। शीर्ष अदालत ने साथ ही कहा कि वह एसआईटी की संरचना के बारे में बाद में विस्तृत जानकारी सार्वजनिक करेगा।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अब समय आ गया है कि अदालतों द्वारा समय-समय पर तय किए गए सभी कानूनी सिद्धांतों को एक साथ लाया जाए और विरोध-प्रदर्शनों की स्थिति को अब एक जैसे मापदंडों के तहत नियंत्रित किया जाए।

दक्षिण दिल्ली में गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण दिल्ली के पुल प्रहलादपुर इलाके में सोमवार देर रात अज्ञात हमलावरों की गोलीबारी में 28 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई और उसका एक साथी घायल हो गया। यह जानकारी मंगलवार को एक अधिकारी ने दी। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी के संबंध में देर रात 12 बजकर 41 मिनट पर पुल प्रहलादपुर थाने को सूचना मिली, जिसके बाद एक टीम को मौके पर भेजा गया। अधिकारियों के अनुसार, मृतक की पहचान मोहम्मद इरशाद उर्फ गुड्डू (28) के तौर पर हुई है, जिसे कई गोलियां लगीं। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि गोलीबारी में इरशाद के साथी 27 वर्षीय मोहम्मद फारुक के हाथ में गोली लगी, जिसे एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया और उपचार के बाद उसे छुट्टी दे गई। अपराध टीम और फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने अपराध स्थल का निरीक्षण किया तथा सबूत एकत्र किए। पुलिस ने मौके से कारतूस के 10 खोखे और दो कारतूस बरामद किए, जिन्हें जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने कहा कि हमलावरों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए कई टीम गठित की गई हैं। जांचकर्ता आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण कर रहे हैं, जबकि आरोपियों का पता लगाने के लिए तकनीकी निगरानी और जांच के अन्य तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है। हत्या के पीछे का मकसद अब तक पता नहीं चल सका है और जांचकर्ता व्यक्तिगत दुश्मनी तथा आपराधिक संबंधों सहित सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रहे हैं।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को बंद करने का दिया आदेश : आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) को बंद करने का आदेश दिया है। आरबीआई ने अप्रैल, 2026 में नियामकीय मानकों के उल्लंघन के चलते पीपीबीएल का बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया था। केंद्रीय बैंक ने पीपीबीएल का कामकाज जमाकर्ताओं के हितों के प्रतिकूल पाया था। इसके बाद आरबीआई ने उच्च न्यायालय में बैंक को बंद करने की याचिका दायर की थी।

केंद्रीय बैंक ने कहा, ''दिल्ली उच्च न्यायालय ने आठ जुलाई और 22 जुलाई के आदेशों के तहत बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 और कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों का उल्लेख करते हुए पीपीबीएल को बंद करने का निर्देश दिया है।'' इसके साथ ही भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक गिरिकुमार एम नायर को पेटीएम पेमेंट्स बैंक का आधिकारिक परिसमापक नियुक्त किया। आरबीआई ने न्यायालय के आदेश का जिक्र करते हुए कहा कि परिसमापक आठ जुलाई, 2026 से बैंक के निदेशक मंडल को हासिल सभी शक्तियों का प्रयोग करेंगे। ऑनलाइन भुगतान मंच पेटीएम की सहयोगी फर्म पीपीबीएल पर पहले भी कई बार नियामकीय कार्रवाई हो चुकी है। इस पर 2022 से नए ग्राहकों को जोड़ने पर रोक लगा दी गई थी। बाद में 2024 में इसकी जमा और अन्य सेवाओं पर भी प्रतिबंध लगा दिए गए थे।

मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने धोनी को बनाया ब्रांड एम्बैसडर

नई दिल्ली/भाषा। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को अपना ब्रांड एम्बैसडर बनाया है। मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स, विविध कारोबार वाले भारतीय समूह मलाबार ग्रुप की प्रमुख कंपनी है। इसकी शुरुआत 1993 में की गई थी। कंपनी के 14 देशों में 450 से अधिक शोरूम हैं। मालाबार समूह के चेयरमैन एम.पी. अहमद ने मंगलवार को जारी बयान में कहा, आज उपभोक्ता जिस भी ब्रांड का चयन करता है उससे काफी अपेक्षाएं रखता है। उत्कृष्ट उत्पादों के साथ वे हर खरीदारी में पारदर्शिता, प्रामाणिकता और भरोसा भी चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि धोनी ने अपनी ईमानदारी, अनुशासन और निरंतरता के दम पर करोड़ों लोगों का सम्मान और विश्वास अर्जित किया है। ये खूबियां कंपनी के मूल्यों से भी मेल खाते हैं। इसी वजह से उन्हें ब्रांड एम्बैसडर बनाया गया है। धोनी ने कहा, ''अपने पूरे करियर में मेरा यही मानना रहा है कि काम और निरंतरता के दम पर ही भरोसा अर्जित किया जाता है। यही बात मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के साथ मेरे इस जुड़ाव को सार्थक बनाती है।'' धोनी ने कहा कि वह लोगों को आभूषण खरीदने के बारे में सोच-समझकर फैसला लेने के लिए प्रोत्साहित करने में मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स का सहयोग करेंगे।

गुकेश और सिंदारोव के बीच शतरंज विश्व चैम्पियनशिप मैच नवंबर-दिसंबर में जिनेवा में

जिनेवा/भाषा। मौजूदा चैम्पियन डी गुकेश और चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव के बीच फिडे विश्व चैम्पियनशिप मैच 2026 स्विटजरलैंड के जिनेवा में 25 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच खेला जायेगा। भारत के गुकेश और उजबेकिस्तान के सिंदारोव मैच के समय सिर्फ 20 वर्ष के होंगे जिससे यह विश्व चैम्पियनशिप के इतिहास में सबसे युवा खिलाड़ियों के बीच खेला जाने वाला मुकाबला होगा। फिडे के अंतरिम अध्यक्ष विश्वनाथन आनंद ने इसका स्वागत करते हुए कहा, ''भारत, अमेरिका और साइप्रस समेत कई देशों ने फिडे विश्व चैम्पियनशिप मैच की मेजबानी की इच्छा जताई थी।''

विश्व चैम्पियनशिप मैच में 14 क्लासिकल मुकाबले होंगे और 7.5 अंक तक पहले पहुंचने वाला खिलाड़ी विश्व चैम्पियन बनेगा। कोई भी खिलाड़ी इतने अंक तक पहुंच जायेगा तो बाकी मुकाबले नहीं होंगे। स्कोर 7.7 से बराबर रहने पर कई टाइब्रेकर खेले जायेंगे। पांच बार के विश्व चैम्पियन आनंद ने कहा, ''सभी प्रस्तावों पर गौर करने के बाद यह तय किया गया कि मुकाबला तटस्थ स्थान पर हो। इसके लिये जिनेवा को चुना गया चूंकि यह शहर देशों और संस्कृतियों को करीब लाता रहा है।'' गुकेश ने 2024 में चीन के डिंग लिरेन को हराकर खिताब जीता था। वह सबसे युवा विश्व चैम्पियन हैं।

व्हाइट में श्रीश्री रविशंकर के किरदार में दिखेंगे विक्रांत मैसी

मुंबई/एजेन्सी '12वीं फेल' जैसी फिल्मों से दर्शकों का दिल जीतने वाले अभिनेता विक्रांत मैसी अब बिल्कुल अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार में नजर आने वाले हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'व्हाइट' में वह वैश्विक आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म को लेकर निर्माता महावीर जैन ने बड़ा दावा किया है कि विक्रांत का यह अभिनय दुनियाभर के दर्शकों को प्रभावित करेगा। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर निर्माता महावीर जैन ने फिल्म को लेकर अपनी बात साझा की। उन्होंने कहा, आज पूरी दुनिया युद्ध, हिंसा और लगातार बढ़ते संघर्षों से जूझ रही है। ऐसे समय में 'व्हाइट' जैसी फिल्म लोगों के सामने शांति और समाधान का संदेश लेकर आ रही है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि भारत की आध्यात्मिक सोच और जीवन मूल्यों को दुनिया तक पहुंचाने का एक माध्यम है। यह भारत की ओर से पूरी दुनिया के लिए एक अनमोल उपहार साबित हो सकती है।

शुभारंभ

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को नई दिल्ली में 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' के पोर्टल का शुभारंभ किया, जो पात्र महिलाओं को 2,500 रुपये की मासिक सहायता प्रदान करने की एक कल्याणकारी योजना है। इस अवसर पर दिल्ली के उपमुख्यमंत्री प्रवेश वर्मा और दिल्ली के मंत्री आशीष सूद भी मौजूद रहे।

रेखा को मिलेगा आईएफएफएम में खास सम्मान

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर अभिनेत्री रेखा को 'भारतीय फिल्म ऑफ मेलबर्न 2026' में भारतीय सिनेमा में उनके अद्वितीय योगदान के लिए सम्मानित करने के लिए आमंत्रित किया गया है। साथ ही, उनकी क्लासिक फिल्म 'उमराव जान' को भी प्रदर्शित किया जाएगा। यह फिल्म महान गायिका आशा भोसले को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रदर्शित की जाएगी। अभिनेत्री का कहना है कि फिल्म में उनके द्वारा निभाया गया किरदार उनकी यादों और चुप्पी में जिंदा है। रेखा ने कहा, उमराव जान ने मुझे कभी नहीं छोड़ा। वह मेरी यादों, खामोशियों और उन लोगों के दिलों में जिंदा है, जिन्होंने इतने सालों में उन्हें बहुत प्यार और अपनापन दिया। उस सफर को फिर से देखना और फिल्म को ग्लोबल मंच पर सेलिब्रेट करते देखना, विनम्र और दिल छूने वाला है।अभिनेत्री ने आगे कहा, सिनेमा मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा आशीर्वाद है और 'आईएफएफएम 2026' में 'एक्सीलेंस इन सिनेमा अवॉर्ड' से सम्मानित होना खास है। मैं इस सम्मान को तहे दिल से स्वीकार करती हूं, ने सिर्फ अपनी यात्रा के पहचान के तौर पर, बल्कि उन फिल्ममेकर्स, लेखकों, म्यूजिशियंस और अनगिनत सहयोगियों को श्रद्धांजलि देने के तौर पर भी, जिन्होंने मेरी जिंदगी को बेहतर बनाया और मेरे काम को आकार दिया।फेस्टिवल की खास इंडिपेंडेंस डे परंपरा के तहत, रेखा 15 अगस्त को मेलबर्न में इंडियन नेशनल फ्लैग फहराएंगी। यह भारत के 79वें इंडिपेंडेंस डे के मौके पर होगा। उनके साथ इंडियन डायस्पोरा के सदस्य, ऑस्ट्रेलियाई जाने-माने लोग, फिल्ममेकर, कलाकार और सिनेमा लवर भी होंगे।

शिल्पा शेट्टी ने आरक्षण विवाद पर तोड़ी चुप्पी, वायरल बयान को बताया झूठा और निराधार

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए बताया कि रिजर्वेशन पर उनके खिलाफ फैलाई जा रही अफवाहें पूरी तरह से फर्जी और निराधार है। साथ ही, अभिनेत्री ने ऐसी खबरों पर भरोसा न करने की सलाह दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट जारी किया, जिसमें उन्होंने लिखा, मेरे नाम से जोड़कर आरक्षण को लेकर फैलाए जा रहे झूठे बयानों को देखकर मैं हैरान हूं। यह पूरी तरह से फर्जी, दुर्भावनापूर्ण और झूठी खबर है। इस नकली खबर पर भरोसा न करें। बात दें कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन की समाप्ति के बाद जुलाई के अंतिम सप्ताह में सोशल मीडिया पर रिजर्वेशन हटाओ आंदोलन (आरएचए) नामक नया डिजिटल अभियान शुरू किया गया। सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आरएचए पर कई सेलेब्स ने प्रतिक्रिया दी थी।

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम स्टोरीज के जरिए प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने अपने एक

नोट जारी करते हुए लिखा था, आरक्षण को मत छेड़िए। सामान्य वर्ग के डॉक्टरों को केवल सामान्य वर्ग के मरीजों का इलाज करने दें और बाकी सभी वर्गों के डॉक्टरों को केवल अपनी-अपनी जाति के मरीजों का इलाज करने दें। ऐसा कुछ सालों तक करके देखिए, फिर लोग खुद जाति आधारित आरक्षण खत्म करने की मांग करने लगेंगे। आरक्षण से कौशल हासिल नहीं किया जा सकता। अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रही पोस्ट में अभिनेत्री पर आरोप लगाया जा रहा था कि उन्होंने जाति-आधारित रिजर्वेशन पॉलिसी के खिलाफ कड़े बयान दिए थे। दावे के मुताबिक, एक्टर ने जाति के आधार पर अलग मेडिकल ट्रीटमेंट की वकालत की।

'काला हिरण' पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त: सोशल मीडिया से टीजर हटाने का निर्देश

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान और फिल्म 'काला हिरण: द बैटल फॉर लेगेसी' के बीच चल रहे विवाद मामले पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और यूट्यूब पर मौजूद फिल्म से जुड़े लिंक हटाने का निर्देश दिया है। इतना ही नहीं, अदालत ने फिल्म के निर्माता अमित जानी के रवैये पर भी नाराजगी जताई और उन्हें कड़ी फटकार लगाई। दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान अदालत ने अमित जानी के वकील से कहा कि ऐसा लगता है कि पिछली सुनवाई में कोई आदेश पारित नहीं होने पर आपको हिम्मत मिल गई है। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा, ''आपको इस बात से हिम्मत मिल रही है कि पिछली बार कोई आदेश पारित नहीं हुआ था। आपको लगता है कि आप कानून से ऊपर हैं। आप दिन-प्रतिदिन बदतर होते जा रहे हैं। आप किसी आम व्यक्ति के साथ भी ऐसा नहीं कर सकते।'' अदालत ने फिल्म के प्रमोशनल कंटेंट को लेकर नाराजगी जाहिर की।

सुनवाई के दौरान अमित जानी की ओर से पेश वकील ने अदालत में दलील दी कि अभी

केवल फिल्म का टीजर जारी किया गया है और इससे किसी के व्यक्तित्व अधिकारों का उल्लंघन नहीं होता। उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ एक टीजर है। इसमें कहीं भी सलमान खान का नाम नहीं लिया गया है। इसमें कोई डीपफेक या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार किया गया वीडियो भी नहीं है। सार्वजनिक घटनाओं पर आधारित कहानी दिखाने पर किसी का विशेष अधिकार नहीं हो सकता।''वहीं, सलमान खान की ओर से पेश वकील ने इन दलीलों का विरोध करते हुए कहा कि फिल्म में भले ही नाम न लिया गया हो, लेकिन अभिनेता की पहचान और छवि का स्पष्ट रूप से इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने अदालत को बताया कि सलमान खान के खिलाफ दर्ज चार मामलों में से तीन में उन्हें पहले ही बरी किया जा चुका है, जबकि एक मामले में सजा पर रोक लगी हुई है। इसके बावजूद फिल्म में उन्हें ऐसे पेश किया जा रहा है, जिससे उनकी छवि प्रभावित हो सकती है।सलमान के वकील ने यह भी कहा कि फिल्म के जरिए पूरे बिश्नोई समाज को अभिनेता के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश की जा रही है।

सुनवाई के बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने एक्स और यूट्यूब पर मौजूद फिल्म के टीजर और उससे जुड़े सोशल मीडिया लिंक हटाने का निर्देश दिया। दरअसल, यह पूरा विवाद फिल्म 'काला हिरण: द बैटल फॉर लेगेसी' के फर्स्ट लुक पोस्टर से शुरू हुआ था। पोस्टर में अभिनेता काशिफ इकबाल खान का लुक सलमान खान से काफी मिलता-जुलता दिखाई दिया। उन्हें सलमान की तरह नीले रंग का मशहूर ब्रेसलेट पहने भी दिखाया गया था। बाद में रिलीज हुए टीजर में भी अयान खान नाम का किरदार दिखाया गया, जिसे सलमान खान से प्रेरित माना जा रहा है। वहीं, फिल्म में लॉयन बिश्नोई नाम का किरदार भी है, जिसे गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से प्रेरित बताया जा रहा है। हालांकि, फिल्म के निर्माता लगातार यह दावा करते रहे हैं कि यह किसी व्यक्ति विशेष पर आधारित फिल्म नहीं है।

बहन ने खींची तस्वीरें और खुल गया बॉलीवुड का रास्ता : कृति सेनन

मुंबई/एजेन्सी

आज बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों में शामिल कृति सेनन को किसी पहचान की जरूरत नहीं है। खूबसूरती, अभिनय और अलग-अलग तरह के किरदारों के दम पर उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बनाई है। लेकिन उनके इस सफर की शुरुआत किसी बड़े स्टूडियो से नहीं, बल्कि घर के एक छोटे से फोटोशूट से हुई थी। उनकी बहन नूपुर सेनन ने जब कैमरे से कृति की कुछ तस्वीरें क्लिक कीं, तब शायद किसी ने नहीं सोचा था कि यही तस्वीरें आगे चलकर उनके सपनों की पहली सीढ़ी बन जाएंगी। कृति सेनन का जन्म 27 जुलाई 1990 को नई दिल्ली में हुआ था। उनके पिता राहुल सेनन चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं जबकि उनकी मां गीता सेनन दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रह चुकी हैं। उन्होंने दिल्ली से स्कूली शिक्षा हासिल की और इसके बाद नोएडा एक इंस्टीट्यूट से बीटेक किया। कॉलेज के दिनों तक कृति ने कभी नहीं सोचा था कि वह अभिनेत्री बनेंगी। वह पढ़ाई में काफी अच्छी थीं। पढ़ाई के दौरान उनकी लंबी हाइट और आत्मविश्वास देखकर दोस्तों ने उन्हें मॉडलिंग करने की सलाह दी। शुरुआत में कृति को यह बात अजीब लगी क्योंकि उन्होंने कभी कैमरे के सामने आने के बारे में नहीं सोचा था। फिर भी उन्होंने एक बार किस्मत आजमाने की सोची। इसमें उनका साथ उनकी बहन नूपुर ने दिया। कृति के पास कोई प्रोफेशनल पोर्टफोलियो नहीं था। उन्होंने अपनी बहन से कुछ तस्वीरें खींचने के लिए कहा।

नूपुर ने घर पर ही कृति की तस्वीरें क्लिक कीं, जिसे कृति ने एक ऑनलाइन मॉडलिंग कॉन्टेस्ट के लिए भेज दिया। किस्मत ने साथ

दिया और वह कॉन्टेस्ट जीत गईं। इसके बाद उन्हें मशहूर फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी के साथ पोर्टफोलियो शूट करने का मौका मिला। यही मौका उनके मॉडलिंग करियर की शुरुआत बना।

मॉडलिंग के बाद कृति ने फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया। साल 2014 में उन्होंने तेलुगु फिल्म '1: नेनोक्काडाइन' से अभिनय की शुरुआत की। इस फिल्म में वह सुपरस्टार महेश बाबू के साथ नजर आईं। इसके बाद उसी साल उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा। टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म 'हीरोपंती' से उनका बॉलीवुड डेब्यू हुआ। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड में बेस्ट फीमेल डेब्यू का पुरस्कार मिला।

इसके बाद कृति ने कई बड़े कलाकारों के साथ काम किया। वह शाहरुख खान और वरुण धवन के साथ फिल्म 'दिलवाले', आयुष्मान खुराना और राजकुमार राव के साथ 'बरेली की बर्फी', कार्तिक आर्यन के साथ 'लुका छुपी' और अक्षय कुमार के साथ 'हाउसफुल 4' जैसी फिल्मों में नजर आईं। 'बरेली की बर्फी' में उनके छोटे शहर की लड़की वाले किरदार को काफी पसंद किया गया।कृति के करियर का सबसे बड़ा मोड़ साल 2021 में आई फिल्म 'मिमी' रही। इस फिल्म में उन्होंने सरोगेट मां का किरदार निभाया था। इस भूमिका के लिए उन्होंने अपना वजन भी बढ़ाया और खुद को पूरी तरह किरदार में ढाला। उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई और उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का सम्मान मिला। इसके अलावा उन्होंने फिल्मफेयर अवॉर्ड भी जीता। इसके बाद कृति ने लगातार अलग-अलग तरह के किरदार चुने। 'भेड़िया', 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया', 'क्रू' और 'दो पत्ती' जैसी फिल्मों में उन्होंने अपनी अभिनय क्षमता दिखाई। 'दो पत्ती' के साथ उन्होंने बतौर निर्माता भी नई शुरुआत की और अपने प्रोडक्शन हाउस ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स की शुरुआत की। आज वह फिल्म इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में गिनी जाती है।

विफा के तिरुचि चैप्टर और जोन 17-बी की बैठक सम्पन्न, पदाधिकारियों की नियुक्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचि। विप्र फाउंडेशन तिरुचि चैप्टर और जोन 17 बी तमिलनाडु की बैठक राजपुरोहित समाज भवन में आयोजित की गई। चैप्टर के अध्यक्ष जोग सिंह राजपुरोहित ने स्वागत भाषण में क्षेत्रीय महामंत्री (दक्षिण) भगवान व्यास एवं जोन के अध्यक्ष किशोर कुमार शर्मा तथा उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया और उनके 4 वर्षों के कार्यकाल में मिले सहयोग के लिए सभी का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से परशुराम कुंड आमंत्रण यात्रा का आयोजन सफल हुआ था।किशोर शर्मा ने संगठन के महत्व पर प्रकाश डाला और भगवान व्यास ने विफा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में सर्वसम्मिति से तिरुचि चैप्टर की नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष रूपचंद राजपुरोहित, सचिव दिनेश राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष किशोर सिंह राजपुरोहित, उपाध्याय मंगल सिंह राजपुरोहित, सहमन्त्री उमेश सिंह राजपुरोहित एवं अर्जुन सिंह राजपुरोहित को दायित्व सौंपा गया। दिनेश राजपुरोहित ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

तीन दिवसीय 'सिगा फेयर-2026' का हुआ शुभारंभ

150 से अधिक ब्रांड कर रहे हैं उत्पादों का प्रदर्शन / इस बार का फेयर महिला उत्पादों पर केन्द्रित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण भारत के गारमेंट एवं फैशन उद्योग के एक प्रतिष्ठित साउथ इंडिया गारमेन्ट एसोसिएशन के तत्वावधान में पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेस श्राइन सभागार में मंगलवार को तीन दिवसीय 31वां 'सिगा फेयर -2026' का आगाज हुआ। गारमेंट बाजार के बहुप्रतीक्षित इस ट्रेड फेयर में देशभर के 150 से अधिक प्रतिष्ठित गारमेंट एवं फैशन ब्रांड्स ने अपने नवीनतम कलेक्शन और आगामी सीजन के ट्रेंड्स के अनुसार उत्पादों का प्रदर्शन किया। मेले में अलग अलग राज्यों के 35 स्टोर शामिल हुए। पहली बार साउथ इंडिया गारमेंट्स एसोसिएशन में महिलाओं के कपड़ों को खास प्राथमिकता दी गई है। ट्रेड फेयर के पहले दिन मॉडलों ने महिलाओं के कपड़ों, फेस्टिवल और ब्राइडल वियर की अनेक नई डिजाइनों का लाइव प्रदर्शन किया। इस फेयर में महिला, पुरुष वर्ग सहित किड्स वेयर के साथ साथ पारम्परिक विवाह, केजुअल व फार्मल्स, डेनिम, वेस्टर्न, लाउंज, विंटर वियर की विस्तृत रेंज प्रदर्शित की गई है। इसके अलावा गारमेन्ट उद्योग से जुड़े साफ्टवेयर, एकाउटिंग सिस्टम, उपकरण, मशीन व कच्चे माल से संबंधित स्टाल भी लगाए गए हैं।
दावणगेरे के चन्नाबसप्पा एंड संस के मालिक बीसी शिवकुमार ने इस ट्रेड फेयर का उद्घाटन किया। इस मौके पर सिगा के अध्यक्ष अनुराग सिंगला, क्लाथिंग मेन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सचिव नवीन सैनानी, गुजरात गारमेन्ट मेन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय पुरोहित, दिया डिजाइनिंग स्टूडियो मुम्बई के संस्थापक दिनेश झालानी, अभिनेत्री प्रियंका अरोड़ा सहित सिगा के उपाध्यक्ष नरेश लखनपाल व राजेश चावत, मंत्री तेजस मेहता व कोषाध्यक्ष व फेयर चेयरमैन गोविंद मूंदड़ा उपस्थित थे।

उद्घाटन के मौके पर चन्नाबसप्पा एंड संस के मालिक बीसी शिवकुमार ने कहा कि इस तरह के ट्रेड फेयर व्यापारियों व उद्योग के लिए बहुत आवश्यक होते हैं। ऐसे ट्रेड फेयर में नए-नए डिजाइन देखने, नए ग्राहकों को ढूंढने व अपनी जरूरत के अनुसार ब्रांड्स खरीदने का अवसर मिलता है।

अनुराग सिंगला ने कहा कि कैजुअल, फॉर्मल कपड़े, विंटर कपड़े, फैशन के कपड़े इस बार के ट्रेड फेयर की खासियत हैं। उन्होंने कहा कि यह ट्रेड फेयर केवल एक प्रदर्शनी नहीं अपितु भारतीय गारमेंट उद्योग के लिए बिजनेस ग्रोथ नेटवर्किंग और नए अवसरों का सशक्त प्लेटफार्म सिद्ध होता है।

उन्होंने कहा कि गुरुवार तक चलने वाले इस मेले में लगभग पांच हज़ार से ज़्यादा ट्रेडर्स के शामिल होने की उम्मीद है और ज़्यादा व्यापार के लिए प्लेटफ़ॉर्म तैयार है। उपाध्यक्ष नरेश लखनपाल ने कहा कि इस बार के मेले में महिलाओं को केन्द्रीत कर आयोजन किया गया है। ट्रेड फेयर के पहले दिन बड़ी संख्या में संभावित ग्राहकों की भीड़ देखी गई।

धर्म साधना के संकल्पों के साथ गांधीनगर तेरापंथ भवन में चातुर्मास का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथी सभा, गांधीनगर के तत्वावधान में तेरापंथ भवन में साध्वीश्री पावन प्रभाजी के सान्निध्य में चातुर्मास का शुभारंभ श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ। साध्वीश्री पावन प्रभाजी ने चातुर्मास में धर्म की आराधना कैसे करें, विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि चातुर्मास आत्मशुद्धि, आत्मविकास एवं आध्यात्मिक उन्नयन का अमूल्य अवसर है। यदि इस समय का सदुपयोग जप, तप, स्वाध्याय, ध्यान और संयम के माध्यम से किया जाए तो जीवन में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। साध्वीश्री ने समस्त परिवारों के सुख, शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना के साथ तीर्थंकर आधारित जाप कराया तथा सभी श्रद्धालुओं को नियमित जप, तप एवं स्वाध्याय को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया साथ ही उन्होंने श्रद्धालुओं से जमीकंद त्याग का संकल्प करवाया।

कार्यक्रम के दौरान लगभग 260 वर्ष पूर्व आचार्य भिक्षु द्वारा रचित लेख पत्र' का वाचन किया गया, जिसमें साधु-साध्वियों एवं श्रावक-श्राविकाओं के लिए निर्धारित मूल मर्यादाओं का उल्लेख है। कार्यक्रम में आचारांग सूत्र के आधार पर सूत्रों का वाचन भी किया गया। इस अवसर पर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, तेरापंथ ट्रस्ट के नए अध्यक्ष माणकचंद बलदोटा, तेयुप के अध्यक्ष विनोद कोठारी, महिला मंडल की अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा सहित अनेक श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे। तेरापंथी महासभा के उपाध्यक्ष प्रकाश लोढ़ा ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। गांधीनगर के मंत्री सुभाष पोखरणा ने आगामी चातुर्मासिक कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।

एक अन्य कार्यक्रम में चातुर्मास स्थापना के एक दिन पूर्व तेरापंथ के आद्य प्रवर्तक आचार्य भिक्षु के 301वें जन्मोत्सव एवं 269वें बोधि दिवस के उपलक्ष्य में साध्वीश्री के सान्निध्य में धम्म जागरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण बाल कलाकारों की प्रस्तुतियाँ रहीं। इस कार्यक्रम का संचालन संयोजक ललित सेठिया ने किया।

प्रभु भक्ति और धर्म से ही घर-परिवार में पुण्य का उदय संभव : डॉ. समकित मुनि

महावीर धर्मशाला में जीवन संजीवनी चातुर्मास में शुरू हुई प्रवचन माला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बेंगलूरु चातुर्मास समिति-2026 के तत्वावधान में वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में आयोजित जीवन संजीवनी चातुर्मास के अंतर्गत मंगलवार को डॉ. समकित मुनिजी ने अपने प्रवचन में धर्म, आत्मजागृति और सकारात्मक जीवन के अनेक सूत्र श्रद्धालुओं के समक्ष रखे। उन्होंने कहा कि जिस घर-परिवार में प्रतिदिन प्रभु भक्ति, नवकार महामंत्र की धुन, भक्तामर स्तोत्र का गान तथा सामायिक-साधना का वातावरण रहता है, समझना चाहिए कि वहां पुण्य का उदय है। वहीं जिस घर की शुरुआत कलह, गाली-गलौज और झगड़ों से होती है, वह पाप के उदय का संकेत है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने दिन की शुरुआत प्रभु स्मरण, नवकार महामंत्र और प्रार्थना से करनी चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि संतों का समागम अत्यंत हितकारी और मंगलकारी होता है। बिना पुण्य के न तो संतों के दर्शन होते हैं और न ही जिनवाणी श्रवण का सौभाग्य प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि यहां आकर जिनवाणी सुनना और संत समागम का लाभ लेना प्रत्येक श्रद्धालु के पुण्योदय का ही परिणाम है।

उन्होंने आत्मचिंतन का संदेश देते हुए कहा कि यदि व्यक्ति अपने भीतर के मीत' से मिल जाए तो उसे अपूर्व आनंद की प्राप्ति होती है, जबकि बाहरी संसार से टकराने पर केवल दुख, कष्ट और परेशानियां ही मिलती हैं। चातुर्मास का वास्तविक उद्देश्य आत्मा के भीतर स्थित उस परम मित्र से मिलना है। मुनिश्री ने कहा कि चातुर्मास केवल चार महीनों का प्रवास नहीं, बल्कि पूरे जीवन को बदल देने वाला आध्यात्मिक अवसर है।महाभारत के प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि संसार में दुर्योधन और शकुनी जैसे भिड़ने और भिड़ाने वाले लोग बहुत मिलेंगे, इसलिए उनसे सदैव सावधान रहना चाहिए। यदि जीवन में सुकून चाहिए तो स्वयं कभी शकुनी नहीं बनना चाहिए। उन्होंने दैनिक प्रवचनमाला के अंतर्गत द्रौपदी सती के प्रेरक कथानक पर आधारित पद्य रचना की मंगलमय शुरुआत भी कराई।

उन्होंने कहा कि जीवन में आग नहीं, बल्कि बाग लगाने का संकल्प लें। जो वस्तु, व्यक्ति या प्रकृति हमें प्रिय है, उसकी रक्षा और सुरक्षा भी हमारा ही उत्तरदायित्व है। उन्होंने सकारात्मक सोच, परोपकार और सेवा की भावना अपनाने का संदेश देते हुए कहा कि सकारात्मक माइंडसेट और परोपकार ही व्यक्ति को समाज में सम्मान, लोकप्रियता और स्थायी पहचान दिलाते हैं।कार्यक्रम के प्रारंभ में जयवंतमुनिजी ने सुमधुर भक्तिगीत प्रस्तुत कर धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष रमेशचंद सिसोदिया ने सभी श्रद्धालुओं का स्वागत किया। चातुर्मास महिला समिति द्वारा प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग %0 महिला श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर समिति के चेयरमैन रायचंद छाजेड़, प्रकाश बेताला एवं अशोक रांका सहित बेंगलूरु के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन लालचंद छिंगावत ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सहयोग

जेसीआई बेंगलूरु कॉस्मो के प्रतिनिधि मंडल ने निम्हांस अस्पताल के रजिस्ट्रार हर्षा एएच से शिष्टाचार भेंट कर सामाजिक सेवा के अंतर्गत व्हीलचेयर व रॉक बेंच दान देने के घोषणा की तथा लिखित सहमति दी। प्रतिनिधिमंडल में सचिव रीना गांधी, ज़ोन ऑफिसर मोनिका कुमट एवं रूपचंद कुमट शामिल थे।

आत्मकल्याण के लिए धर्म का जीवन में होना आवश्यक : साध्वी मंगलज्योति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में साध्वीश्री मंगलज्योति जी ने मंगलवार को लुणावत जैन स्थानक में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य जीवन की प्राप्ति को भगवान महावीर ने बहुत दुर्लभ बताया है। यह मनुष्य जीवन हमें बर्बाद नहीं, आबाद करना है। चातुर्मास के ये चार माह हमें सरलता, सादगी के साथ ज्यादा से ज्यादा धर्म ध्यान,जप तप, सामायिक, स्वाध्याय, साधना, आराधना, सत्संग, संत समागम, जिनवाणी श्रवण करने की पावन प्रेरणा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि धन तारों के समान है, जिससे प्रकाश नहीं होता, लेकिन धर्म चन्द्रमा के समान है, जिससे आत्मा में श्रद्धा, संयम, दया करुणा मैत्री और सहिष्णुता का प्रकाश होता है। हमें धर्म की रक्षा करना चाहिए, क्योंकि जो धर्म की रक्षा करता है तो धर्म उसकी रक्षा सुरक्षा करता है।

प्रारंभ में साध्वी ऋजुप्रज्ञाश्रीजी ने कहा कि धर्म रूपी चाबी से ही मोक्ष रुपी ताला खुल सकता है। धर्म रूपी नाव से ही जीवन रुपी संसार सागर को पार किया जा सकता है। अहिंसा, संयम और तप धर्म मंगल है,जिसकी सम्यक साधना आराधना से साधक परम पद मुक्ति को प्राप्त कर सकता है।

उन्होंने कहा कि धर्म साधना के पीछे हमारा लक्ष्य सही, मुक्ति मिलने का होना चाहिए। धर्म करने का लक्ष्य हमारे दोष मुक्ति का रहना चाहिए। आगंतुकों का स्वागत संघ के अध्यक्ष धनरुपचंद मेहता ने किया। कार्यक्रम का संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने चातुर्मास कार्यक्रमों की जानकारी दी।

मन के शुद्धिकरण करने का समय है चातुर्मास : साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में साध्वी डॉ प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने चातुर्मास के प्रथम दिवस चातुर्मासिक चतुर्दशी के प्रवचन में कहा कि आज का मंगलमय प्रभात एक अनूठा प्रकाश पुंज लेकर हमारे बीच आया है। चार मास के लिए चारों ओर से जहां जीवों की उत्पत्ति होती है इसलिए साधु साध्वी, श्रावक व श्राविकाओं को इस काल में आराधना साधना में स्थिर हो जाना है। इस काल में बाह्य जगत से हमें अन्तर्जगत और आध्यात्मिक जगत में डूबना है। इन सभी चीजों में उतरने के लिए हमारे मन की शुद्धि आवश्यक है। आज से हमारा आचार विचार और वाणी बदल जानी चाहिए। सर्वप्रथम हमारे परिवार में शान्ति होनी चाहिए, द्वितीय हमें हमारे जीवन में हर समय में हर परिस्थिति में समभाव में ही रहना है। तृतीय हमें हर प्रकार की छोटी बड़ी तपस्याएं आडम्बर रहित करनी है। चतुर्थ सभी को जिनवाणी श्रवण के दौरान सामायिक आसन धारण करना चाहिए। आराधना करने से हमारा चरित्र मोहनीय कर्म टूटता है। परमात्मा ने श्रावक-श्राविकाओं को धर्म में स्थिर करने और पाप प्रवृत्तियों का निषेध करने हेतु चातुर्मास की स्थापना की है। चातुर्मास में सर्वप्रथम हमें हमारे मन का शुद्धिकरण करना है। प्रवचन के दौरान साध्वीश्री द्वारा वांचन किए जाने वाले 'ध्यान शतक ग्रंथ' को प्रदान किया गया जिसका लाभ मंजूदेवी मदनलाल बाफना परिवार, चरित्र वांचन में जैन रामायण ग्रंथ का प्रदान करने का लाभ शांतिदेवी पुखराज तेजराज गुलेच्छा परिवार ने लिया। चातुर्मास प्रारंभ होने के साथ ही मंगलवार से माणिक्य स्वामी तप का प्रारंभ हुआ जिसमें दौ सौ से अधिक तपस्यार्थी तपस्या कर रहे हैं।

श्री संखेश्वर स्पोर्ट्स टीम ने जीता जीतो बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट-आई धोलेरा टीम बनी उपविजेता

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) नॉर्थ चैप्टर द्वारा आयोजित जीतो बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट-2026 का आयोजन रविवार को हुआ। इस टूर्नामेंट में 16 टीमों के 160 खिलाड़ियों ने भाग लिया। नॉर्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री विजय सिंघवी ने सभी सहयोगी व प्रायोजकों के प्रति आभार जताया। मीडिया प्रभारी अरविंद टपरावत ने बताया कि प्रतियोगिता में गन्ना की जान, आरसीबी रॉयल चैलेंज बाफना, रेक्सवुड डिज़ाइन योर ड्रीम, होब हाउस ऑफ ब्रांड्स, प्रोटेक्टर्स, टाइटन्स, मैग्नस वॉरियर्स, ड्रीम क्रशर्स, कटारिया पैंथर्स, श्री संकेश्वर स्पोर्ट्स अकादमी, वैष्णोदेवी ग्रुप ऑफ कंपनीज़, पर्पल कंस्ट्रक्शन्स, पारेखस लपोड़, जीतो यूथ-बेंगलूरु नॉर्थ डायनामोज़, आई धोलेरा (इंडियाज़ सेमिकॉन सिटी) तथा जैन स्ट्राइकर्स टीमों ने भाग लिया। लीग चरण व क्वार्टर फाइनल के बाद आई धोलेरा, कटारिया पैंथर्स, होब हाउस ऑफ ब्रांड्स एवं श्री संखेश्वर स्पोर्ट्स अकादमी ने सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई।अंततः श्री संखेश्वर स्पोर्ट्स अकादमी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए आई धोलेरा को पराजित कर जीतो बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 की विजेता ट्रॉफी अपने

नाम कर ली तथा आई धोलेरा टीम उपविजेता बनी। पूरे टूर्नामेंट में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रौनक को मैन ऑफ़ दि सीरीज पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विभिन्न मुकाबलों के मैन ऑफ़ दि मैच खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

टूर्नामेंट के सांख्यिकीय पुरस्कारों में बेस्ट बल्लेबाज़ प्रनील कुहाड़, बेस्ट गेंदबाज़ प्रणय जैन, टॉप प्लेयर ऑफ़ दि सीरीज रौनक तथा बेस्ट फील्डर जितेश कुहाड़ बने। कार्यक्रम के दौरान जीतो परिवार की ओर से सभी प्रायोजकों, टीम मालिकों, अंपायरों का सम्मान किया गया।

एफटीएस युवा 9 अगस्त को कर रहे हैं मेगा रक्तदान शिविर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल्स सोसाइटी (एफटीएस) युवा द्वारा आगामी 9 अगस्त को महाराजा अग्रसेन भवन में मेगा रक्तदान महाअभियान का आयोजन अपोलो हॉस्पिटल्स, नारायणा हेल्थ, एस्टर हॉस्पिटल्स एवं संकल्प इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से किया जा रहा है। युवा सचिव विकास गुप्ता ने बताया कि इस महाअभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करना तथा जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना है। महाअभियान के संयोजक आयुष अग्रवाला, शुभम लोहिया, प्रवीण गेहलोत एवं अरुण शर्मा ने अधिक से अधिक युवाओं को इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। इस रक्तदान शिविर की तैयारियों के लिए बैठकों का दौर चल रहा है ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शिक्षा सेवा

बेंगलूरु के मानव सेवा समिति के सदस्यों ने जून-जुलाई के मानवसेवी कार्य के अंतर्गत बोमसन्द्रा, तुमकूर, राजाजीनगर, उर्दीगेरे व कोरटीगेरे के 85 स्कूलों के 8200 स्कूली बच्चों को कुल 22 हजार अभ्यास पुस्तिकाएं, पाठ्य सामग्री, ज्योमेट्री बॉक्स व चॉकलेट बांटे गए। इस सेवा कार्य में विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य, शिक्षकों व स्कूल इंस्पेक्टर वासुदेवाचार्य का सहयोग प्राप्त हुआ। समिति के सदस्यों ने अपने हाथों से विभिन्न स्कूली बच्चों को सहयोग सामग्री बांटी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**